छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 277 ■ अम्बिकापुर, रविवार 01 नवम्बर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

पुलिस की धमक लौटाने दबंग छवि वाले अफसरों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

डी.के. सिंह को डीएसपी ट्रैफिक, राजेश देवांगन को एएसपी की कमान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग की पुलिसिंग में दो नए अफसरों के आने के बाद बड़ा बदलाव तय माना जा रहा है। लंबे समय से अपराध, बेलगाम ट्रैफिक और लचर व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच शासन ने दो ऐसे


राजेश देवांगन


डी.के. सिंह

नामों पर दांव खेला है, जिनका नाम ही अपराधियों के लिए चेतावनी है। तेज-तर्रार, बेबाक और जमीन से जुड़े अफसर के तौर पर पहचाने जाने वाले देवेंद्र कुमार सिंह उर्फ डी.के. सिंह की एक बार फिर अंबिकापुर वापसी हुई है। उन्हें संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में उप पुलिस अधीक्षक यातायात (डीएसपी ट्रैफिक) की अहम जिम्मेदारी दी गई है। इनके साथ ही 2015 बैच के तेजस्वी अधिकारी राजेश देवांगन को सरगुजा का नया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

डी.के. सिंह महज एक पुलिस अधिकारी नहीं, एक भरोसे का नाम है। उनकी पहचान दफ्तर की चारदीवारी में बैठकर आदेश देने वाले अफसर की नहीं, बल्कि सड़क पर उतरकर हालात को काबू में करने वाले लीडर की रही है। जनता के बीच जाना, उनकी सुनना और मौके पर ही पीड़ित को राहत देना उनके स्वभाव का हिस्सा रहा है। सरगुजा और सूरजपुर अंचल तो उनके लिए घर जैसा है। वे यहां की हर गली, हर संवेदनशील मोड़ और हर अपराधी की नब्ज से वाकिफ हैं। इनके कार्यकाल का इतिहास उनकी दबंग कार्यशैली का गवाह है। 2004-05 में थाना सूरजपुर के प्रभारी के रूप में उन्होंने अपने तेवर दिखाए। 2005-06 में अंबिकापुर कोतवाली के टीआई रहते हुए उन्होंने शहर में अपराधिक गतिविधियों पर ऐसा प्रहार किया कि अपराधी शांत रहने मजबूर हो गए। 2010-11 में भैयाथान और 2011 से 2013 तक सूरजपुर कोतवाली में उन्होंने संगठित अपराध के नेटवर्क को उखाड़ फेंकने का काम किया। 2016 से 2019 तक सीएसपी सूरजपुर के रूप में उन्होंने शहरी कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त किया।

नए एएसपी का अनुभव भी कम नहीं

इधर, नए एएसपी राजेश देवांगन भी कम अनुभवी नहीं हैं। 2015 बैच के डीवाईएसपी के रूप में भर्ती होकर 2026 में एएसपी के पद पर पदोन्नत हुए देवांगन दंतेवाड़ा, नारायणपुर जैसे अति नक्सल प्रभावित जिलों में सफलतापूर्वक काम कर चुके हैं। महासमुंद और रायपुर के पुरानी बस्ती सीएसपी के रूप में भी उन्होंने कानून-व्यवस्था को संभाला है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में एसडीओपी रहते हुए उनकी तेज-तर्रार कार्यशैली की खूब चर्चा रही।

मुख्य मार्गों में ट्रैफिक बड़ी समस्या

अंबिकापुर शहर की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक है। बढ़ती जनसंख्या, बेतरतीब अतिक्रमण, बेलगाम ई-रिक्शा और नो-पार्किंग की समस्या से शहर जूझ रहा है। हालांकि इस दिशा में नगर निगम ने पहल की है, फिर भी शहर के मुख्य मार्गों में ट्रैफिक समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। डीएसपी ट्रैफिक के रूप में डी.के. सिंह से लोगों को उम्मीद है कि वे जल्द ही सड़कों को जाम से मुक्त कराएंगे और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराएंगे। व्यापारियों और आम नागरिकों में इस जोड़ी की पोस्टिंग से नया उत्साह है। लोगों का मानना है कि अब सरगुजा में फिर से कानून का खौफ और जनता में सुरक्षा का एहसास दोनों लौटेगा।

इंस्टाग्राम में सीमेंट का प्रचार देखना महंगा पड़ा, ईंट के कारोबारी से 4.13 लाख की ठगी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सोशल मीडिया पर प्रचार देखकर सामान मंगाना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका ताजा उदाहरण अंबिकापुर में सामने आया है। यहां एक ईंट कारोबारी को नामी कंपनी का सीमेंट भेजने के नाम पर 4 लाख 13 हजार रुपये की बड़ी चपत लगा दी गई। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित सिटी कोतवाली पहुंचा, जहां पुलिस ने अज्ञात शातिरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, रिंग रोड प्रतापपुर नाका निवासी सुभय पाण्डेय पिता उमेश्वर नाथ पाण्डेय का सूरजपुर जिले के प्रतापपुर में फ्लाई ऐश ईंट का कारोबार है। इसके लिए उन्हें सीमेंट की भी जरूरत पड़ती है। बीते 2 अक्टूबर



को वे अपने मोबाइल पर इंस्टाग्राम चला रहे थे, तभी उनकी नजर अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के एक आकर्षक विज्ञापन पर पड़ी। उन्होंने लिंक पर क्लिक करके अपना नंबर छोड़ दिया। बस यहीं से ठगी का जाल बुनना शुरू हो गया। कुछ ही देर में उनके मोबाइल पर एक अननोन नंबर से कॉल आया। फोन उठाते ही दूसरी तरफ से एक व्यक्ति ने बड़े ही प्रोफेशनल अंदाज में अपना नाम कल्पेश सिन्हा और पदनाम कंपनी का सेल्स मैनेजर बताया। उसने कंपनी के रेट, डिस्काउंट और सप्लाई चेन की ऐसी जानकारी दी कि सुभय को जरा भी शक नहीं हुआ। विश्वास जीतने के बाद शातिर ने दूसरा दांव खेला। उन्होंने ई-मेल पर कंपनी के लेटर हेड पर मेल भेजा और उनकी फर्म मां श्यामा ट्रेडर्स, प्रोपराइटर श्रीमती श्यामा पाण्डेय के सभी दस्तावेज मांगे।

वेंडर कोड जनरेट करके भेजा कथित कंपनी का खाता नंबर

कुछ घंटों बाद ही पीड़ित के मेल पर एक वेंडर कोड जनरेट करके भेज दिया गया। साथ ही कंपनी का बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड भेजकर कहा गया कि यह अल्ट्राटेक का अधिकृत खाता है और एडवांस पेमेंट करने पर माल डिस्पैच हो जाएगा। खाता अंधेरी ईस्ट, मुंबई में संजीव कुमार के नाम पर था। बिना किसी संदेह के सुभय पाण्डेय ने 7 अक्टूबर को 1400 बैग सीमेंट के लिए प्रति बैग 295 रुपये के हिसाब से कुल 4 लाख 13 हजार रुपये आरटीजीएस के जरिए ट्रांसफर कर दिए। पैसा भेजने के बाद वे सीमेंट के आने का इंतजार करने लगे, लेकिन दिन बीतते गए सीमेंट की एक बोरी भी नहीं पहुंची। जब उन्होंने कथित सेल्स मैनेजर कल्पेश सिन्हा को फोन लगाया तो कोई जवाब नहीं मिला। ई-मेल का भी कोई जवाब नहीं आया। तब जाकर उन्हें समझ आया कि वे ठगों के जाल में फंस चुके हैं। उन्होंने पूरे दस्तावेज और बैंक ट्रांजेक्शन की डिटेल के साथ सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर मुम्बई वाले खाते और ई-मेल आईडी के आधार पर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर सकालो में डीजल टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा



छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर से प्रतापपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर शनिवार को सकालो गांव के पास डीजल लेकर जा रही एक टैंकर सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। टैंकर के पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर डीजल फैलने से हादसा होने का खतरा बन गया। बताया जा रहा है कि टैंकर तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर का वाहन से नियंत्रण हट गया, इसके बाद टैंकर सड़क के बीच पलट गई। गनीमत रही कि इस दौरान सामने से कोई दूसरा वाहन नहीं आ रहा था, नहीं तो टक्कर के बाद आग लगने से बड़ी जनहानि जैसी स्थिति बन सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। हादसे के बाद टैंकर से डीजल को सुरक्षित तरीके से खाली करने का काम शुरू किया गया। एहतियात के तौर पर मौके पर लोगों की भीड़ को दूर रखा गया ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। इस घटना ने एक बार फिर असुरक्षित तरीके से ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। छोटी टैंकरों में बिना सुरक्षा मानकों के डीजल तो नहीं ढोया जा रहा था, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं टैंकर के सड़क के बीच पलट जाने से मार्ग में काफी देर तक यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। पुलिस ने क्रेन की मदद से टैंकर को हटवाकर यातायात को सामान्य कराया।

सरगुजा में पदस्थ रहे नगर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार को 'केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक'

उत्कृष्ट विवेचना के लिए मिला पुलिस सेवा में दक्षता का सर्वोच्च सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस में नगर निरीक्षक के रूप में सेवाएं दे चुके मनीष सिंह परिहार को भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक-2026 से नवाजा गया है।

गृह मंत्रालय ने वर्ष 2026 के लिए इस प्रतिष्ठित पदक की सूची जारी की है। इस सूची में छत्तीसगढ़ से सरगुजा के पूर्व नगर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार का नाम इन्वेस्टिगेशन फील्ड यानी उत्कृष्ट अनुसंधान के क्षेत्र में शामिल किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनकी कर्तव्यनिष्ठा, उत्कृष्ट विवेचना क्षमता और अपराधों के खुलासे में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए दिया गया है।

बता दें कि, केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक देश के उन चुनिंदा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को



दिया जाता है, जिन्होंने जांच, खुफिया, विशेष अभियान और अन्य क्षेत्रों में असाधारण कार्य किया हो। यह पदक पुलिस सेवा में दक्षता का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। मनीष सिंह परिहार अपने कार्यकाल के दौरान अंबिकापुर कोतवाली में पदस्थ रहते हुए कई जटिल और चर्चित मामलों का खुलासा कर चुके हैं। उनकी तेज-तर्रार कार्यशैली और बारीक जांच को लेकर आम जनता और पुलिस महकमे में हमेशा चर्चा रही है।

डीआईजी ने दी बधाई

इस गौरवशाली उपलब्धि पर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व नगर निरीक्षक मनीष सिंह परिहार को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह पूरे सरगुजा पुलिस परिवार के लिए सम्मान की बात है। इससे अन्य अधिकारियों व जवानों को भी उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हाइवे पर आरटीओ का सघन चेकिंग अभियान, बिना परमिट बस थाने के सुपुर्द

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यात्री बसों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद परिवहन विभाग ने सख्ती शुरू कर दिया है। शनिवार को अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर जिला परिवहन अधिकारी और उड़नदस्ता की टीम ने बसों की सघन चेकिंग की। इस दौरान कुछ बसों को खामियों के चलते थाने में खड़ा कराया गया। मौके पर मौजूद परिवहन अधिकारी ने बताया कि मुख्यालय से मिली चेकलिस्ट के आधार पर बसों की जांच की जा रही है। आरटीओ अधिकारी ने कहा बसों के फिटनेस की जांच की जा रही है। इनका ब्रेक लाइट, हेडलाइट जलता है कि नहीं और पार्किंग लाइट हो या नहीं, सहित कई बिंदुओं पर मुख्यालय से प्राप्त चेकलिस्ट के आधार पर जांच की जा रही है। बसों के कागजातों, परमिट की भी जांच हो रही है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत पहले भी बड़ी कार्रवाई की गई है। छह बसों को बिना परमिट के चलते पाए जाने पर थाने के सुपुर्द किया



गया है। उन्होंने कहा कि जिन बसों में कमी पाई जा रही है, उनके संचालकों को उसे पूरा करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। अगर दोबारा वही कमी मिली तो परमिट निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह जांच केवल एक रूट तक सीमित नहीं है। सभी रूटों पर इस तरह की जांच चल रही है। बीते दिवस रायगढ़ रोड पर कार्रवाई की गई, इससे पहले रामानुजगंज रूट पर भी कार्रवाई की गई थी। विभाग का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और बिना परमिट व फिटनेस के चलने वाली बसों पर कड़ी कार्रवाई होगी।



शासकीय जमीन को फर्जी दस्तावेज से निजी बताकर बेचने वाला गिरफ्तार

कमलेश्वरपुर पुलिस और साइबर सेल पुलिस ने की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में शासकीय भूमि की हेराफेरी कर उसे निजी जमीन बताकर बिक्री करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना कमलेश्वरपुर और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने धोखाधड़ी के आरोपी तुलेश्वर गुप्ता को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, उमेशवर सिंह ने थाना कमलेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि खसरा नंबर 1378 में कूटरचना की गई है। प्रार्थी ने बताया कि 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नंबर 1378 में फर्जी तरीके से निजी भूमि की प्रविष्टि कर दी गई है। शिकायत के बाद पुलिस ने राजस्व अभिलेखों की जांच की। जांच में सामने आया कि खसरा नंबर 1378 बंदोबस्त वर्ष 1995-96 में भी शासकीय भूमि के रूप में छोटे झाड़ के जंगल मद में दर्ज है। यानी यह जमीन शुरू से ही शासकीय थी, लेकिन वर्ष 1954-55 के अभिलेख में इसे निजी भूमि के रूप में दिखाकर फर्जी प्रविष्टि तैयार की गई थी। इस पूरे फर्जीवाड़े में तुलेश्वर गुप्ता और अन्य की संलिप्तता पाई गई। इस पर थाना कमलेश्वरपुर में अपराध क्रमांक 82/26 धारा 420, 467, 468, 471, 34 भा.द.वि. के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान आरोपी तुलेश्वर गुप्ता पिता गणेश गुप्ता 50 वर्ष, निवासी ग्राम अलोला, थाना कापू, जिला रायगढ़ को पकड़कर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को



अंजाम देना स्वीकार किया। अपराध में संलिप्तता के पुख्ता सबूत मिलने पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है और मामले में अग्रिम विवेचना जारी है। संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मी नारायण साव, सहायक उप निरीक्षक ललन गुप्ता, प्रधान आरक्षक विजय रवि, राजीव कुजूर, आरक्षक सूरज राठिया और साइबर सेल अंबिकापुर की टीम सक्रिय रही।

आबकारी उड़नदस्ता ने 56 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार महिला को जेल भेजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अवैध शराब के खिलाफ संभाग में चल रहे सघन अभियान के तहत संभागीय आबकारी उड़नदस्ता सरगुजा की टीम ने जिला कोरिया में बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के बड़े आनी में दबिश देकर 56 लीटर अवैध महुआ और हड़िया शराब जब्त की है। आरोपी महिला को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया गया है। आबकारी आयुक्त के द्वारा प्रदेश भर में अवैध शराब के भंडारण, विक्रय और परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी आदेश के परिपालन में संभागीय उड़नदस्ता सरगुजा लगातार जिलों में दबिश दे रही है। इसी कड़ी में 31 अक्टूबर को सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में उड़नदस्ता की टीम जिला कोरिया के थाना बैकुंठपुर क्षेत्र में गश्त पर थी। गश्त दौरान टीम महुआ शराब के लिए चर्चित आनी गांव पहुंची, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि बड़े आनी गांव निवासी संगीता नामक महिला ने अपने घर में भारी मात्रा में महुआ और हड़िया शराब छिपाकर रखा है और बेचने की तैयारी में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने तत्काल संगीता के घर में दबिश दी। घर की तलाशी लेने पर वहां से 24 लीटर हाथ भट्टी की बनी महुआ शराब और 32 लीटर हड़िया शराब, कुल 56 लीटर अवैध शराब बरामद हुई। शराब को मौके पर ही जब्त कर सैंपल सील किया गया। आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 34(2) और 59(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध करके न्यायालय बैकुंठपुर में पेश किया गया, यहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के मार्गदर्शन में आबकारी उप निरीक्षक टी.आर. केहरी द्वारा की गई। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक अनिल गुप्ता, आबकारी आरक्षक श्याम सुंदर सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी सिंह और चंद्रावती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

नए थाना प्रभारी का स्वागत कर सरपंच ने अपराध पर अंकुश लगाने गुहार



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाने में नई जिम्मेदारी संभालने वाले निरीक्षक ढाल सिंह साहू का ग्राम पंचायत पार्वतीपुर सरपंच चंद्रदेव तिर्की ने स्वागत किया। साथ ही गांव की वास्तविक स्थिति से अवगत करा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग रखी।

सरपंच तिर्की ने नवपदस्थ थाना प्रभारी को बताया कि पार्वतीपुर और आसपास के इलाकों में चोरी की घटनाएं आएदिन होती रहती है। उन्होंने पुलिस से पेट्रोलिंग और गश्त बढ़ाने की मांग की ताकि अपराध पर अंकुश लग सके और आम लोगों को सुरक्षा का अहसास हो। निरीक्षक ढाल सिंह साहू ने आश्वस्त किया कि पुलिसिंग में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से मिलकर क्षेत्र को शांत और सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। बेहतर पुलिसिंग के साथ गांव की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं, जवाबदेही तय होगी : कलेक्टर

★ चेकडैम निर्माण में गुणवत्ता से समझौता पड़ा भारी ★ तकनीकी सहायक की संविदा सेवा समाप्त, 9.13 लाख रुपये की वसूली के निर्देश, 17 कार्यों का भुगतान रोका गया ★ चेकडैम अनियमितता पर बहुस्तरीय कार्रवाई

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकास कार्यों की गुणवत्ता और जवाबदेही को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। चेकडैम निर्माण में अनियमितता सामने आने पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। एक तकनीकी सहायक की संविदा सेवा समाप्त कर दी गई है। 9.13 लाख रुपये की वसूली तथा संबंधित 17 कार्यों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र भी जारी किए गए हैं।

12 मार्च 2026 को विभिन्न समाचार पत्रों में चेकडैम निर्माण की गुणवत्ता को लेकर खबरें प्रकाशित हुई थीं। प्रशासन ने इन्हें गंभीरता से लिया और राज्य कार्यालय के निर्देश पर मुख्य तकनीकी परीक्षक (सतर्कता) से 17 चेकडैम कार्यों की जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार कुछ कार्यों में कंक्रीट की गुणवत्ता तथा उप-संरचनाओं के निर्माण में तकनीकी कमियाँ पाई गईं। प्रतिवेदन में कंक्रीट की सतह पर प्लास्टर किए जाने का उल्लेख भी है। जांच में कार्यों का अधिक मूल्यांकन पाया गया। इस पर तकनीकी सहायक रोहित कुमार, अविनाश भारती एवं कृपाशंकर गुप्ता से 9.13 लाख रुपये की वसूली के निर्देश जारी किए गए हैं।

अनियमितता के आधार पर जनपद पंचायत राजपुर में पदस्थ तकनीकी सहायक रोहित कुमार की संविदा सेवा 30 अक्टूबर 2026 को कार्यालयीन आदेश जारी कर समाप्त कर दी गई। जांच के दायरे में आए



सभी 17 चेकडैम कार्यों का भुगतान रोक दिया गया है। इनमें 12 कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बलरामपुर तथा 5 कार्य जनपद पंचायत राजपुर के हैं। तकनीकी सहायक अविनाश भारती एवं कृपाशंकर गुप्ता पर महात्मा गांधी नरेगा/टठ.ळ त.ड ळ अधिनियम 2005 की धारा 25 के तहत एक-एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। दोनों को अंतिम चेतावनी पत्र भी जारी किया गया है। पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी तय करते हुए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बलरामपुर के कार्यपालन अभियंता श्री सच्चिदानंद कांत और उप संभाग राजपुर के अनुविभागीय अधिकारी श्री जानूराम सोनवानी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है। जनपद पंचायत राजपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संजय दुबे तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री मानसाय सिदार से भी जवाब तलब किया गया है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया है कि जिले में किसी भी योजना या मद से होने वाले निर्माण में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की नियमित निगरानी होगी और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। गुणवत्ता में कमी या अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन की प्राथमिकता केवल निर्माण पूरा कराना नहीं, बल्कि ऐसी टिकाऊ परिसंपत्तियाँ तैयार करना है जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिले।

हथियारबंदों ने रात के अंधेरे में खदान में घुसकर केबल काटे



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के बलरामपुर 10/12 खदान में बीती रात एक और सनसनीखेज लूट की घटना ने कोयलांचल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अज्ञात हथियारबंद आरोपियों ने पंखा घर में घुसकर बेशकीमती केबल काट ली और पंखा ऑपरेटर को बंधक बनाकर लूटपाट को अंजाम दिया। इस घटना से खदान का पंखा सिस्टम घंटों तक ठप रहा और बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई। गौरतलब है कि शुक्रवार की रात करीब 2 बजे करीब 20 से 25 की संख्या में हथियारबंद लोग पंखा घर में घुस आए। उन्होंने पंखा ऑपरेटर सुबरन पिता राम प्रसाद को बंधक बनाकर जान से मारने की देते हुए केबल काटकर ले गए। आरोपी हथियार दिखाते हुए किसी भी सामान को उठा ले जाने और धमकी देने की घटनाओं में लिप्त बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी नशे की हालत में पहुंच उक्त घटनाओं को अंजाम देते हैं। यह पहली घटना नहीं है। महज 5-6 दिन पहले भी इसी खदान में हथियारबंद लोगों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। इसके अलावा एक्सवेशन वर्कशॉप में भी लूटपाट करने उपरांत एक बाइक को जलाकर राख कर दिया गया था। बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं से खदान कर्मचारी दहशत में हैं। कई कर्मचारियों का कहना है कि रात की ड्यूटी करना अब उनके लिए मुश्किल हो गया है। कोयलांचल में चोरी और लूट की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। हथियारबंद गिरोह रात के अंधेरे का फायदा उठाकर खदान परिसर में घुस रहे हैं और बेशकीमती सामान उठाकर ले जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों में आक्रोश है और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। पुलिस ने भी घटना की जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई तेज की जा रही है। खदान प्रशासन ने भी सुरक्षा बढ़ाए जाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते, दहशत बनी रहेगी।

गोरता राशन दुकान में 247 क्विंटल चावल गायब, ताला जड़ने पर जागा प्रशासन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लखनपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम गोरता के सरकारी राशन दुकान में गरीबों के हक पर बड़ा डाका डालने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के हंगामे और दुकान में ताला जड़ने के बाद जब प्रशासन ने जांच की तो स्टॉक से 247.73 क्विंटल चावल और 3.13 क्विंटल शक्कर गायब मिला। बड़ी मात्रा में अनाज की कमी से सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम गोरता के सैकड़ों हितग्राही राशन लेने दुकान पहुंचे थे। ग्रामीणों का आरोप था कि उन्हें महीनों से पूरा राशन नहीं दिया जा रहा है और वितरण में भारी अनियमितता बरती जा रही है। इसी बात को लेकर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए शासकीय उचित मूल्य दुकान में ताला जड़ दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषी संचालक पर कार्रवाई की मांग की।

मौके पर पहुंचे एसडीएम-तहसीलदार

ग्रामीणों के शिकायत को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को लखनपुर एसडीएम रामराज सिंह और तहसीलदार अमन चतुर्वेदी दल-बल के साथ ग्राम गोरता पहुंचे। अधिकारियों ने राशन दुकान का ताला खुलवाकर भौतिक सत्यापन किया। स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजी और गोदाम में रखे अनाज का मिलान करने पर 247.73 क्विंटल चावल और



3.13 क्विंटल शक्कर की कमी पाई गई। मौके पर ही पंचनामा तैयार कर जांच प्रतिवेदन बनाया गया।

संचालक से 3 दिन में मांगा जवाब

जांच में गड़बड़ी उजागर होने के बाद प्रशासन ने राशन दुकान संचालक को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। एसडीएम ने स्पष्ट किया है कि यदि संचालक का जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो उसके खिलाफ नियमानुसार एकपक्षीय और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट को कलेक्टर कार्यालय और खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजा गया है।

564 हितग्राहियों की रही मौजूदगी

ग्रामीणों के मुताबिक गोरता राशन दुकान से करीब 900 हितग्राही जुड़े हैं। जांच के दौरान 564 हितग्राही मौके पर मौजूद रहे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि दुकान में करीब 600 क्विंटल राशन का गबन किया गया है, जबकि प्रशासनिक जांच में फिलहाल 247 क्विंटल से अधिक की कमी सामने आई है। ग्रामीणों ने पूरे वितरण रिकॉर्ड की गहन जांच की मांग की है। फिलहाल पूरे गांव की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय ने युवाओं से किया सीधा संवाद, धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर में हुआ युवा सम्मेलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

उदयपुर। धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर में शुक्रवार 31 अक्टूबर को युवा सम्मेलन एवं युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि



के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर शामिल हुए और महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद करके सम-सामयिक विषयों पर अपने विचार रखे।

युवा आयोग अध्यक्ष ने युवाओं से देश और समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने, शिक्षा के साथ सामाजिक और राजनीतिक विषयों के प्रति जागरूक रहने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को भ्रामक प्रचार से सावधान रहने और सही तथ्यों के आधार पर अपनी राय बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रामगढ़ मंडल उपाध्यक्ष बुधमोहन सिंह उइके, देवगढ़ मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष मान सिंह सिरदार, रामगढ़ मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष रमेश यादव, आकाश जायसवाल, नवीन महंत, विद्यानंद, आकाश पैकरा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य ने सभी अतिथियों और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

2014 के बाद विकास की तस्वीर रखी

अपने संबोधन में विश्वविजय सिंह तोमर ने वर्ष 2014 से पहले और बाद में देश में हुए विकास कार्यों की तुलनात्मक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा और हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि 2014 से पहले देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो अगस्त 2026 तक बढ़कर 846 हो गए हैं। एमबीबीएस की सीटें 51,348 से बढ़कर 1,39,864 और पीजी मेडिकल सीटें 31,185 से बढ़कर 86,360 हो गई हैं। इसी तरह हवाई कनेक्टिविटी के क्षेत्र में 2014 में 74 एयरपोर्ट परिचालन में थे, जो अक्टूबर 2026 तक बढ़कर 166 हो गए हैं।

युवाओं ने पूछे सवाल, खुलकर रखा पक्ष

युवा संवाद के दौरान छात्र-छात्राओं ने भी खुलकर अपने विचार रखे और विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे। युवा आयोग के अध्यक्ष ने युवाओं की जिज्ञासाओं को गंभीरता से सुना और उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देवगढ़ मंडल अध्यक्ष अखंड विधायक सिंह ने भी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं को अनुशासन में रहकर लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और पढ़ाई के साथ-साथ खेल व रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने की सलाह दी।

प्रगति क्लब लक्ष्मीपुर ने जीती राज्यस्तरीय फुटबॉल स्पर्धा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। हर्राटिकरा में रिहंद नदी तट पर स्थित खेलो इंडिया मैदान में आयोजित राज्यस्तरीय नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब प्रगति क्लब लक्ष्मीपुर ने अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में लक्ष्मीपुर की टीम ने मैट्स क्लब ओडिशा को दो गोल से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। पूरे 90 मिनट तक चले मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया।

फाइनल मुकाबले में मुख्य अतिथि के रूप में सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े ने की। विशिष्ट अतिथियों में जनपद अध्यक्ष स्वाति संत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवनंदनपुर हरीश राजवाड़े, देवधन राम बिझिया, वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी रामबहादुर लामा एवं दशरथ राजवाड़े शामिल रहे। अतिथियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टॉस कराया और प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

मैदान में उतरते ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। मैट्स क्लब ओडिशा के खिलाड़ियों ने भी लक्ष्मीपुर की टीम को कड़ी चुनौती दी, लेकिन प्रगति क्लब के खिलाड़ियों ने बेहतर तालमेल और रणनीति के दम पर विपक्षी टीम पर दबाव बनाए रखा। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए लक्ष्मीपुर की टीम ने एक के बाद एक दो गोल दागे। वहीं मैट्स क्लब के खिलाड़ी पूरे समय गोल करने के लिए संघर्ष करते रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंततः दो गोल की बढ़त के साथ प्रगति क्लब लक्ष्मीपुर ने फाइनल मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता प्रगति क्लब लक्ष्मीपुर को 41 हजार रुपये नगद एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता मैट्स क्लब ओडिशा को 31 हजार रुपये नगद और ट्रॉफी देकर



पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी आयोजन समिति की ओर से व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि कलेक्टर रेना जमील ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से युवा अपना बेहतर भविष्य और करियर बना रहे हैं। छोटे से गांव में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन होना गौरव की बात है। प्रदेश एवं केंद्र सरकार युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने और करियर बनाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से हर्राटिकरा में फुटबॉल का रोमांच चरम पर रहा। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन खिलाड़ियों का अनुशासन, खेल भावना और कौशल अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हर्राटिकरा में शासन द्वारा खेलो इंडिया सेंटर निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को विभिन्न खेल विधाओं में दक्ष बनाकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना है। आज युवा पढ़ाई के साथ खेलों के माध्यम से भी अपना करियर बना रहे हैं, जो सुखद संकेत है। उन्होंने युवाओं से नशे एवं अन्य दुर्व्यसनों से दूर रहकर पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में पूर्व सरपंच रूपनारायण राजवाड़े, आलम साय राजवाड़े, दशरथ राजवाड़े, रामजीत दास, रामकुमार राजवाड़े, दीपेंद्र राजवाड़े, तीरथ राजवाड़े, बुलचु राजवाड़े, गंगा राजवाड़े, संतोष रजक, सुंदर दास, गोपाल, दल साय, अर्जुन राजवाड़े, जनक दास सहित आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका रही।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विद्यार्थियों ने लगाई एकता की दौड़ ली शपथ, उत्साह से मनाई गई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर रन फॉर यूनिटी एकता के लिए दौड़ एवं सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक किया गया।

महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रभारी प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र कुमार जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान सभी ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रहने की सामूहिक शपथ ली। वरिष्ठ प्राध्यापक श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। श्री जायसवाल ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके आदर्शों और राष्ट्र निर्माण में दिए गए ऐतिहासिक योगदान पर



प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सरदार पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और कुशल नेतृत्व से लगभग 560 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ बनाने में उनके योगदान के कारण उन्हें लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है।उन्होंने विद्यार्थियों से सरदार पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अन्य प्राध्यापकों ने भी सरदार पटेल के जीवन और उनके प्रेरणादायी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को देशहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने भारत माता एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के जयकारों के साथ एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राज्योत्सव के आयोजन की तैयारियो का कलेक्टर एवं डीएफओ ने लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन को लेकर शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं डीएफओ विपुल अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंच निर्माण एवं साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने राज्योत्सव में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, जिले की उपलब्धियों एवं नवाचारों पर आधारित विभागीय स्टॉलों की तैयारियों की भी जानकारी लेकर व्यवस्थित प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने कहा कि राज्योत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करते हुए समय से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, डिप्टी कलेक्टर यशवंत देवांगन सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

दफ्तर रामानुजगंज में, हुकूमत अंबिकापुर से!

जल संसाधन विभाग में तालेबंदी, करोड़ों की गड़बड़ी के बाद भी नहीं बदला ढर्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। सरकारी दफ्तर जनता की समस्याएं सुनने और शासकीय कामकाज निपटाने के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन रामानुजगंज के जल संसाधन विभाग का कार्यालय इन बुनियादी उद्देश्यों से ही दूर नजर आ रहा है। यहां कार्यालय के कमरों पर ताले लटके रहने और अधिकारी-कर्मचारियों के मुख्यालय में नियमित रूप से उपस्थित नहीं होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। करोड़ों रुपये की कथित गड़बड़ी के मामले में पहले ही चर्चा में रहे इस विभाग की कार्यप्रणाली अब एक अलग वजह से सवालों के घेरे में है। जिला बनने के बाद भी कार्यालय के संचालन में अपेक्षित सुधार नहीं दिखने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थिति यह है कि कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को कमरों में ताले नजर आते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारी अंबिकापुर में रहना पसंद करते हैं और उनके अधीनस्थ कर्मचारी भी नियमित रूप से कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहते। ऐसे में रामानुजगंज का यह कार्यालय अपने ही मुख्यालय में कितना सक्रिय है, यह सवाल उठना लाजिमी है। जनप्रतिनिधियों और उच्च अधिकारियों की निगरानी के बावजूद यदि यही स्थिति बनी हुई है, तो जवाबदेही तय करने की जरूरत और बढ़ जाती है।

करोड़ों की गड़बड़ी के मामले के बाद भी सवाल बरकरार

जल संसाधन विभाग का विवाद केवल कार्यालय में उपस्थिति तक सीमित नहीं है। कार्यालय के पूर्व प्रभारी कार्यपालन यंत्री, एसडीओ और सब इंजीनियर के खिलाफ करोड़ों रुपये की गड़बड़ी के मामले में अपराध दर्ज किए जाने की बात



सामने आई थी। इसके बाद भी विभागीय कामकाज की व्यवस्था में कितना बदलाव आया, इस पर सवाल बने हुए हैं। नवपदस्थ कार्यपालन अभियंता एन.पी. डहरिया, जिनका मूल पद एसडीओ बताया गया है, की कार्यालय में नियमित उपस्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों और विभागीय प्रकरणों की मौजूदा स्थिति की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है।

मुख्यालय रामानुजगंज, कामकाज अंबिकापुर से

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकारी-कर्मचारी अंबिकापुर में निवास करते हैं और रामानुजगंज स्थित कार्यालय पर ताला लगाकर विभागीय कामकाज वहीं से निपटाया जाता है। कंप्यूटर ऑपरेटर से जुड़े काम हों या ठेकेदारों के भुगतान के लिए चेक काटने की प्रक्रिया, इनके भी अंबिकापुर से संचालित होने का दावा किया जा रहा है। यदि यह स्थिति सही है, तो सवाल केवल अधिकारियों की उपस्थिति का नहीं, बल्कि कार्यालय संचालन, वित्तीय प्रक्रिया और प्रशासनिक नियंत्रण का भी है। सरकारी कार्यालय का मुख्यालय किसी औपचारिक पते भर का नाम नहीं होता। वहां अधिकारियों की उपलब्धता, अभिलेखों का रखरखाव, जनसमस्याओं का निराकरण और शासकीय कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित करना भी जरूरी है। ऐसे में यदि रामानुजगंज का कार्यालय नियमित रूप से बंद रहता है और कामकाज दूसरे शहर से संचालित होता है, तो इसकी जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।

जिम्मेदारी किसकी, जवाब देगा कौन?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि कार्यालय में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है? यदि मुख्यालय में नियमित उपस्थिति नहीं हो रही, तो निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था क्या कर रही है? और यदि भुगतान संबंधी प्रक्रियाएं दूसरे शहर से संचालित हो रही हैं, तो उनके अभिलेखों और प्रक्रिया की जांच क्यों नहीं की जानी चाहिए? रामानुजगंज के जल संसाधन विभाग की मौजूदा स्थिति पर उठ रहे सवालों का जवाब केवल कागजी स्पष्टीकरण से नहीं मिलेगा। कार्यालय की उपस्थिति पंजिका, निरीक्षण अभिलेख, भुगतान संबंधी दस्तावेज और विभागीय कामकाज की जांच से ही वास्तविक तस्वीर सामने आ सकती है। फिलहाल जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार अधिकारी स्थिति स्पष्ट करें और यह सुनिश्चित करें कि रामानुजगंज का सरकारी कार्यालय केवल नाम का मुख्यालय बनकर न रह जाए।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर नवीन शासकीय महाविद्यालय में आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। नवीन शासकीय महाविद्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में रैली और स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और राष्ट्रीय एकता की शपथ के साथ हुई। इसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा सतर्कता जागरूकता को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता और भ्रष्टाचार मुक्त समाज का संदेश दिया।



गोद लिए आंगनबाड़ी केंद्र में चलाया स्वच्छता अभियान

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों और छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए आंगनबाड़ी केंद्र, रघुनाथनगर खास में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने आंगनबाड़ी परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में सभी की सहभागिता पर जोर दिया।

सरदार पटेल के योगदान को किया याद

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सहायक प्राध्यापक रेवती प्रसाद ने राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की 562 रियासतों को एकीकृत कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके आदर्शों और विचारों को अपनाकर ही देश की एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रवीण मिश्रा ने उपस्थित सभी अतिथियों, प्राध्यापकों, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन राष्ट्रीय एकता, सतर्कता, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का संदेश देते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों का आकलन शिविर आयोजित, 86 बच्चों का हुआ चिन्हांकन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन



भैयाथान। जिला कलेक्टर एवं मिशन संचालक समग्र शिक्षा सूरजपुर रेना जमील तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के तत्वावधान एवं एलिम्को संस्था के सहयोग से भैयाथान में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आकलन एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भैयाथान एवं ओड़गी विकासखंड के 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के विशेष आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य एवं आवश्यकता के आधार पर परीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 86 बच्चों का चिन्हांकन किया गया। चिन्हांकित बच्चों में जरूरतमंद विद्यार्थियों को एलिम्को संस्था के माध्यम से आवश्यकतानुसार कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर में एलिम्को संस्था की ओर से डॉक्टर नजमुल फकीर (पीएंडओ) एवं डॉक्टर सूरजपाल सिंह (ऑडियोलॉजिस्ट) ने बच्चों का परीक्षण एवं आकलन किया। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी फुलसाय मरावी, बीआरसीसी दिवाकर प्रसाद जायसवाल, बीपीओ साक्षर भारत दिनेश देवांगन, बीआरपी विनोद यादव, रमाकांत नर्मदा, स्पेशल एजुकेटर आरती यादव एवं श्रुति चौबे, लेखापाल निमेष श्रीवास्तव सहित सभी संकुल समन्वयक, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

एड्स नियंत्रण कार्यशाला: स्पा सेंटरों की आड़ में असुरक्षित संबंधों पर जताई चिंता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के दिशा-निर्देश पर छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति और भारतीय जनस्वास्थ्य प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में अंबिकापुर में एड्स नियंत्रण को लेकर एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एस. सरुता रहे। कार्यशाला में संक्रमण की रोकथाम, शीघ्र जांच, नियमित उपचार, वायरल लोड की निगरानी और उच्च जोखिम वाले समूहों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार देश में लगभग 25.61 लाख लोग एचआईवी के साथ जीवन जी रहे हैं। अच्छी खबर यह है कि वर्ष 2010 की तुलना में नए संक्रमणों में करीब 49 प्रतिशत और एड्स से होने वाली मौतों में 81 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। यह आधुनिक उपचार और जागरूकता का ही परिणाम है। कार्यशाला में सिविल सर्जन डॉ. जगदीश कुमार रेलवानी, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.के. सिन्हा, पीएचएफआई से उमेश राउत्रे, दीपक तिवारी, सीजी सेक से क्षितिज दीवान, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. चंद्रशेखर तिवारी, वीरेंद्र दुबे सहित कई जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी और दिशा टीम के सदस्य मौजूद रहे। कार्यशाला में



सबसे गंभीर चिंता स्पा एवं मसाज केंद्रों की आड़ में हो रही असुरक्षित यौन गतिविधियों को लेकर जताई गई। बताया गया कि दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण समिति के 2022-23 के आंकड़ों के अनुसार स्पा सेंटरों में महिला समूह से जुड़े 9 और पुरुष मसाज कर्मियों से जुड़े 68 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि मसाज, स्पर्श, गले मिलने या साथ खाना खाने से एचआईवी नहीं फैलता। असली जोखिम असुरक्षित यौन संबंध, कंडोम का उपयोग नहीं करना, यौन संक्रमणों का इलाज न कराना और जांच से बचना है। एक बड़ी व्यवहारिक समस्या यह भी है कि स्पा केंद्रों में काम करने वाले कई कर्मचारी स्थानीय नहीं होते और कुछ समय बाद दूसरे शहरों में चले जाते हैं, जिससे उनका नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, जांच और फॉलो-अप ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए किसी पेशे को बदनाम करने के बजाय जोखिम भरे व्यवहार की पहचान कर रोकथाम जरूरी है।

सरगुजा के आंकड़े भी चौंकाने वाले

सरगुजा जिले के उपलब्ध अभिलेखों का हवाला देते हुए बताया गया कि पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले 64 पुरुषों में से 18, महिला यौनकर्मियों के समूह में 1043 में से 16 और उभयलिंगी समूह में 6 में से 4 व्यक्ति संक्रमित दर्ज हैं। हालांकि यह संबंधित समुदाय की समग्र संक्रमण दर नहीं है, बल्कि जांच में आए मामलों का आंकड़ा है।

टीचर्स क्रिकेट लीग के लिए सरगुजा संभाग के 50 से अधिक शिक्षकों ने दिया ट्रायल



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। गांधी स्टेडियम में आज टीचर्स क्रिकेट लीग के लिए संभाग स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शुरू हुए ट्रायल में सरगुजा संभाग के पांच जिलों - जशपुर, एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर), कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा के 50 से अधिक शासकीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस चयन प्रक्रिया में शिक्षा विभाग में कार्यरत व्याख्याता, शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, लिपिक और चतुर्थ वर्ग के कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

30 खिलाड़ियों का होगा कैंप, फिर बनेगी 20 की टीम

आयोजकों ने बताया कि ट्रायल के बाद संभावित 30 खिलाड़ियों का चयन कर कैंप लगाया जाएगा। कैंप के बाद सलेक्शन मैच का आयोजन होगा और दिसंबर माह में होने वाली राज्य स्तरीय टीचर्स क्रिकेट लीग प्रतियोगिता के लिए अंतिम 20 खिलाड़ियों की टीम घोषित की जाएगी। यह टीम सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व करेगी। चयन प्रक्रिया के दौरान सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी विकास सिंह, वरिष्ठ कोच आनन्दधर दीवान, क्रिकेट कोच शौभिक दास गुप्ता, कमल निकुंज, इसहाक तिर्की, ज्ञानेश्वर सिंह, दिनेश भगत, रवि शंकर भगत, विवेक पांडेय, शंकर सुवन गोपाल, पवनीत सिंह गिल एवं भूतपूर्व क्रिकेट खिलाड़ी राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

भाजपा का प्रबुद्धजन सम्मेलन आज, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े होंगी मुख्य अतिथि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भैयाथान। राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत 1 नवंबर को भैयाथान में विधानसभा स्तरीय प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन भैयाथान के मंगल भवन में दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ शासन की कैबिनेट मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वहीं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रामकृपाल साहू मुख्य वक्ता होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी करेंगे। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित



रहेंगे। भाजपा जिला कार्यालय सूरजपुर से जारी आमंत्रण के अनुसार सम्मेलन में जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि, बैगा, पुरोहित व ग्राम के प्रबुद्ध जनों को आमंत्रित किया गया है।

कला केन्द्र मैदान में 2 नवंबर को सजेगा राज्योत्सव का मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की होगी गूंज

मुख्य अतिथि मंत्री रामविचार नेताम अपरान्ह 2 बजे करेंगे समारोह का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में 2 नवंबर को जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। कला केन्द्र मैदान में दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित होने वाले इस समारोह में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा की झलक देखने को मिलेगी। इस वर्ष राज्योत्सव की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' रखी गई है। राज्योत्सव समारोह का मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़

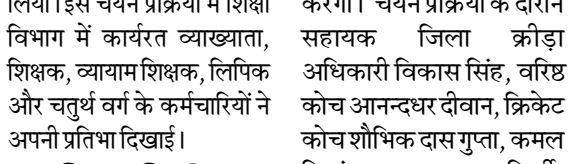


शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम अपरान्ह 02 बजे शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज करेंगे। समारोह में सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी तथा जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी मुख्य आकर्षण

राज्योत्सव में दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। वहीं शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक स्थानीय एवं बाह्य कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय गायिका आरू साहू अपनी लोकगीतों की प्रस्तुति देंगी, जबकि स्थानीय बॉलीवुड गायक स्वप्निल जायसवाल भी अपनी गायकी से समां बांधेंगे। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोककला और संगीत की विविधता देखने को मिलेगी। समारोह स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में गूंजा एकता का मंत्र, राष्ट्रीय एकता की ली शपथ



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस पर शहर के सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, सुभाषनगर में देशभक्ति और एकजुटता का भाव देखने को मिला। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने हाथ में हाथ डालकर देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान देशवासियों के बीच आपसी भाईचारा, प्रेम और सौहार्द्र की भावना को मजबूत करने का भी संकल्प दोहराया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को विकसित करना था। रासेयो के कार्यक्रम अधिकारियों ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है, लेकिन हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी एकता है।

सम्पादकीय

ठगी मामलों में जिम्मेदारी से नहीं बच सकते बैंक

डिजिटल बैंकिंग ने लेन-देन को जितना आसान बनाया है, साइबर अपराधियों ने भी उसी रफ्तार से लोगों की जमा-पूंजी पर सेंध लगाने के तरीके खोज लिए हैं। मोबाइल की एक घंटी, वीडियो कॉल पर पुलिस की वर्दी और गिरफ्तारी का डर दिखाकर लोगों को उनकी जीवनभर की कमाई से वंचित किया जा रहा है। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली ठगी अब केवल साइबर अपराध की समस्या नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था की सुरक्षा और जवाबदेही की भी गंभीर परीक्षा है। सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए बैंकों की जिम्मेदारी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनकी लापरवाही से ठगी होती है तो उन्हें पीड़ितों को हर्जाना देना चाहिए। यह टिप्पणी बैंकिंग प्रणाली को उसकी बुनियादी जिम्मेदारी याद दिलाती है। ग्राहकों के धन की सुरक्षा केवल खाताधारक की सतर्कता पर नहीं छोड़ी जा सकती। आंकड़े समस्या की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। वर्ष 2026 में अब तक डिजिटल अरेस्ट के 22 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं और 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी हुई है। वर्ष 2025 में ऐसे 58,239 मामलों में लगभग 1,211 करोड़ रुपये गंवाए गए। ये आंकड़े बताते हैं कि जागरूकता अभियान और लगातार सामने आ रही खबरों के बावजूद अपराधियों का जाल कमजोर नहीं पड़ा। सवाल यह है कि जब डिजिटल लेन-देन का पूरा तंत्र बैंकों की निगरानी में संचालित होता है, तब असामान्य और संदिग्ध लेन-देन को समय रहते पकड़ने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है? कोई खाताधारक अचानक अपनी जमा-पूंजी कुछ ही मिनटों में दूसरे खातों में भेजने लगे, किसी खाते में असामान्य रकम आने और तत्काल आगे हस्तांतरित होने का सिलसिला शुरू हो जाए या किसी खाते का इस्तेमाल लगातार संदिग्ध लेन-देन के लिए हो, तो बैंकिंग प्रणाली को सतर्क होना चाहिए। बैंक अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। असामान्य लेन-देन पर तत्काल अतिरिक्त सत्यापन, ग्राहक से स्वतंत्र माध्यम से संपर्क, संदिग्ध खातों की त्वरित जांच और ठगी की आशंका होने पर धन हस्तांतरण को अस्थायी रूप से रोकने की प्रभावी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। ऐसे मामलों में पुलिस, साइबर अपराध इकाइयों, बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं के बीच तत्काल सूचना साझा करने का तंत्र भी जरूरी है। बैंकों की जवाबदेही तय करने के मामले में भी स्पष्ट नियम जरूरी हैं। यदि जांच में साबित हो कि बैंक ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया, संदिग्ध गतिविधियों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की या शिकायत मिलने के बाद धन रोकने में अनुचित देरी की, तो पीड़ित को मुआवजा दिया जाना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक को इस दिशा में ठोस नियम बनाने चाहिए, ताकि ग्राहकों को मुआवजे के लिए भटकना न पड़े। दूसरी ओर, डिजिटल अरेस्ट के नाम पर भयभीत किए जा रहे लोगों को यह समझाना भी जरूरी है कि पुलिस, सीबीआई या अन्य जांच एजेंसियां वीडियो कॉल पर किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करतीं और न ही गिरफ्तारी से बचने के लिए किसी खाते में रकम जमा कराने की वैध प्रक्रिया है। अपराधी सरकारी प्रतीकों, फर्जी पहचान और मनोवैज्ञानिक दबाव का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में लोगों को अनजान वीडियो कॉल पर भरोसा नहीं करना चाहिए, न ही ओटीपी, बैंक विवरण या गोपनीय जानकारी साझा करनी चाहिए। यदि ग्राहक को यह आशंका रहने लगे कि उसकी जीवनभर की कमाई कुछ मिनटों में गायब हो सकती है और उसके बाद उसे केवल शिकायतों के चक्कर लगाने पड़ेंगे, तो डिजिटल बैंकिंग की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।



आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अब जीएसटी सुधारों का नया दौर

एक नवंबर से भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का नया दौर आकार लेने जा रहा है। इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित हो रहा है कि भारत के अप्रत्यक्ष कर (इन डायरेक्ट टैक्स) ढांचे में 1 जुलाई 2017 को लागू हुई जीएसटी कर प्रणाली भारत के आर्थिक इतिहास का एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो रही है और अब इससे भारत की आर्थिक मजबूती का एक नया अध्याय लिखा जाएगा। 'एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार' के विजन के साथ शुरू हुई यह व्यवस्था विगत वर्षों में निरंतर प्रशासनिक, तकनीकी और प्रक्रियागत सुधारों से गुजरते हुए अब अपने सबसे परिपक्व चरण में प्रवेश कर रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों नई दिल्ली में वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों ने कर व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी, नागरिक-अनुकूल और व्यवसाय-सुगम बनाने की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

1 नवंबर से लागू होने वाले जीएसटी के चरणबद्ध बदलाव और फिर एक अप्रैल 2027 के भावी जीएसटी रोडमैप से जीएसटी प्रणाली करदाताओं को नौकरशाही के जटिल जाल से राहत दिलाने, कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) के प्रवाह को गति देने और भरोसे पर आधारित प्रशासन (ट्रस्ट-बेस्ड गवर्नेंस) को स्थापित करने के मद्देनजर मील का पत्थर बनने जा रही है। यह सर्वविदित है कि भारत में जीएसटी का वर्तमान स्वरूप रातों-रात तैयार नहीं हुआ, बल्कि यह पिछले चार दशकों में किए गए क्रमिक आर्थिक एवं प्रशासनिक सुधारों का प्रतिफल है। भारत में आधुनिक अप्रत्यक्ष कर सुधारों की नींव 1976 में एल. के. झा समिति की सिफारिशों से पड़ी, जिसने तत्कालीन जटिल उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) को समाप्त कर संशोधित मूल्य वर्धित कर लागू करने का सुझाव दिया था। इसके उपरांत वर्ष 1987 में मॉडवैट लागू होने के साथ ही भारतीय कर व्यवस्था में पहली बार इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की अवधारणा ने मूर्त रूप लिया, जिसने कर पर कर (कैस्केडिंग इफेक्ट) के बोझ को कम किया। 2000 के दशक की शुरुआत में डॉ. विजय केलकर टास्क फोर्स ने देश में एक एकीकृत 'नेशनल जीएसटी मॉडल' का प्रस्ताव रखा, जिसने व्यापक कर सुधारों का खाका खींचा। फिर राज्यों के वित्त मंत्रियों के अधिकार प्राप्त समूह ने रेवेन्यू न्यूट्रल रेट, प्लेस ऑफ सप्लाई नियमों और अंतरराज्यीय लेन-देन के लिए क्लियरिंग हाउस मैकेनिज्म पर काम किया। आखिरकार, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और आवश्यक संवैधानिक संशोधन के माध्यम से 1 जुलाई 2017 से पूरे देश में एकीकृत जीएसटी कानून लागू किया गया। निसंदेह जीएसटी लागू होने के बाद से भारत का कर आधार (टैक्स बेस) तेजी से विस्तृत हुआ है और संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के डिजिटलीकरण, ई-वे बिल और ई-इन्वॉयसिंग जैसे तकनीकी नवाचारों ने कर चोरी पर अंकुश लगाकर असंगठित क्षेत्र को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। इन सुधारों के कारण राजस्व संग्रह में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है; जहां वित्तीय वर्ष 2017-18 के शुरुआती दौर में औसत मासिक संग्रह



लगभग 90,000 करोड़ रुपये प्रति माह रहता था, वहीं सितंबर 2026 में यह बढ़कर 2,00,000 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। यह ऐतिहासिक राजस्व संग्रह भारतीय अर्थव्यवस्था की आंतरिक मजबूती, कर अनुपालन में आई पारदर्शिता और कर प्रणाली की उच्च दक्षता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि जीएसटी परिषद की हालिया बैठक में करीब 9 वर्षों के अनुभवों के आधार पर दूरगामी सुधारों को हरी झंडी दी गई है। इनसे नए रिफंड आवेदनों को पूरी तरह से डिजिटल और जोखिम मूल्यांकन आधारित ऑटोमेटेड सिस्टम पर स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे रिफंड पावती की अवधि घटेगी और दावा की गई राशि बिना किसी अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप के सीधे कारोबारियों के बैंक खातों में जमा होगी। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर से जूझ रहे उद्योगों को बड़ी राहत देते हुए 90 प्रतिशत तक का अस्थायी रिफंड तुरंत स्वीकृत करने की व्यवस्था की गई है, जिससे एमएसएमई और विनिर्माण इकाइयों की फंसी हुई पूंजी तुरंत अनलॉक होगी। सामान की बिक्री के बाद दी जाने वाली छूट (पोस्ट-सेल डिस्काउंट) और क्रेडिट नोट से जुड़े अनुपालन नियमों को व्यावहारिक और लचीला बनाया गया है, जिससे व्यापारी अपनी वास्तविक कर देनदारी का सटीक संतुलन बना सकेंगे। कर प्रशासन में पारदर्शिता लाने और व्यापारियों में विश्वास जगाने के लिए कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं। एक ऐतिहासिक कदम के तहत जीएसटी अधिकारियों की सीधी गिरफ्तारी की शक्तियों को सीमित कर दिया गया है; अब अधिकारी महज कानून का हवाला देकर कारोबारियों को गिरफ्तार नहीं कर सकेंगे और इसके लिए अदालत से पूर्व आदेश प्राप्त करना अनिवार्य होगा। अभियोजन (प्रॉसिक्यूशन) की सीमा को बढ़ाए जाने से छोटे और ईमानदार व्यापारियों में फैला 'टैक्स टेरर' का डर समाप्त होगा। इसके अतिरिक्त, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से व्यापार करने वाले छोटे व असंगठित विक्रेताओं के लिए पंजीकरण और अनुपालन की शर्तों को बेहद आसान बनाया गया है, जिससे वे वेयरहाउस का उपयोग कर बिना जटिल कागजी कार्रवाई के व्यापार कर सकेंगे। छोटे विवादों से राहत देते हुए 10,000 रुपये से कम की कुल कर देनदारी पर अब कारण बताओ नोटिस (शो कॉज नोटिस) जारी न करने और धारा 125 के तहत सामान्य जुर्मानों की सीमा घटाने के फैसले लिए गए हैं। कर ढांचे को व्यावहारिक बनाने के लिए कर दरों और स्लैब का पुनर्गठन एक अत्यंत प्रभावी कदम सिद्ध हुआ है। जीएसटी के शुरुआती वर्षों में मुख्य रूप से चार कर स्लैब (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, और 28 प्रतिशत) तथा विभिन्न उपकर (सेस) प्रभावी थे, जिन्हें बाद में जीएसटी परिषद द्वारा व्यापक समीक्षा के बाद पुनर्गठित कर मुख्य रूप से दो प्रमुख स्लैब- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के अंतर्गत सुव्यवस्थित किया गया। निसंदेह जीएसटी संबंधी हालिया सुधार सराहनीय हैं, परंतु जीएसटी को पूर्णतः गुड एंड सिंपल टैक्स बनाने के लिए अभी भी कुछ महत्वपूर्ण मोर्चों पर काम किया जाना शेष है। पेट्रोल, डीजल, प्राकृतिक गैस, बिजली और एविऐशन टर्बाइन फ्यूल को अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है, जब तक ये वस्तुएं जीएसटी के तहत नहीं आतीं, तब तक समूची मूल्य श्रृंखला में इनपुट टैक्स क्रेडिट का निर्बाध प्रवाह संभव नहीं है। उम्मीद करें कि एक नवंबर से चरणबद्ध तरीके से लागू हो रहे सुधारों और एक अप्रैल 2027 से लागू होने वाले जीएसटी के दीर्घकालिक सुधारों से जीएसटी प्रक्रियाओं के सरलीकरण और कर आतंक की समाप्ति से उद्योग-कारोबार जगत लाभान्वित होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विधान परिषद चुनाव
बाल मुकुन्द ओझा



भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए खतरे की घंटी

देश के 4 राज्यों की 28 विधान परिषद सीटों के चुनाव नतीजों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों में खलबली मचा दी है। भाजपा ने प्रतिष्ठा वाली सीटों पर हार के मद्देनज़र आत्म चिंतन और विश्लेषण शुरू कर दिया है। बैठकों का दौर चल रहा है। कांग्रेस अपनी बुरी हार के बावजूद एक नवम्बर की रैली में व्यस्त है। कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा और महज एक सीट पर विजय हासिल की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस की बैलेट पेपर पर हार से तंज कसते हुए कहा, चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद चुनाव में 28 सीटों पर मतदान पर्ची से हुए। अनुमान लगाइए कि इनमें कांग्रेस को कितनी सीट मिली हैं। वहीं कांग्रेस ने पलटवार करते हुए बनारस और नागपुर की हार पर भाजपा को आईना दिखाया है। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर हमलावर हो रही हैं। कर्नाटक में सत्तारूढ़ होने के बावजूद कांग्रेस ने चारों सीटें गंवा दी।

इनमें एक सीट पहले कांग्रेस के पास थी। वहीं भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बनारस संसदीय सीट पर हुए स्नातक और शिक्षक दोनों सीटों पर शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। यही नहीं, आरएसएस मुख्यालय की नागपुर सीट भी भाजपा ने कांग्रेस के हाथों गंवा दी। नागपुर आरएसएस का मुख्यालय होने के अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का भी गृह क्षेत्र है। हालांकि भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ 28 में से 16 सीटों पर जीत हासिल की है। अकेले भाजपा को इनमें से 13 सीटें मिली हैं। उसकी सहयोगी जदयू, जदएस और शिवसेना (शिंदे) को एक-एक सीट मिली है। इसी के साथ ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से चुनाव कराने के नतीजे भी कांग्रेस को मुफीद नहीं रहे। चुनावों में क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी, जबकि कांग्रेस बुरी तरह पिछड़ गई। यूपी में कुछ ही माह बाद विधान सभा चुनाव होने जा रहा है। इस दृष्टि से इन चुनावों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक की 28 सीटों के लिए हुए चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की, जबकि सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस महज एक सीट पर जीत हासिल कर पाई है। यह कांग्रेस के लिए झटके की तरह है। वहीं बीजेपी भले ही सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही हो, लेकिन वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की 2 सीट और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के संसदीय क्षेत्र नागपुर की स्नातक सीट से हार गई। यूपी में 11 सीटों पर विधान परिषद के चुनाव हुए थे। इनमें से छह सीटों पर भाजपा जीती है और पांच सीटें मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। पहले सपा के पास तीन सीटें थीं और दो सीटों पर निर्दलीय जीते थे। इस बार सपा ने पांच सीटें जीती हैं। सपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी की स्नातक और शिक्षक दोनों सीटों पर जीत दर्ज की है। स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा ने भाजपा के केदारनाथ सिंह को हराया तो शिक्षक सीट पर लाल बिहारी यादव ने प्रमोद मिश्रा को हराया। इसके अलावा राजधानी लखनऊ में सपा की कांति सिंह और इलाहाबाद-झांसी सीट पर सपा के मानसिंह यादव जीते। शिक्षक क्षेत्र में सपा ने आगरा और वाराणसी दो सीटों पर जीत हासिल की। गोरखपुर सीट पर कांटे की टक्कर में भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी सिर्फ 307 वोट से जीते। भाजपा को शिक्षक क्षेत्र में मेरठ और लखनऊ में जीत मिली है, जबकि स्नातक क्षेत्र में आगरा और मेरठ-सहारनपुर में जीत मिली है। बिहार में आठ सीटों पर चुनाव हुए थे, जिनमें से चार सीटें एनडीए के खाते में गई हैं, जबकि चार सीटें अन्य को मिली हैं। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा 30 साल के बाद हारी है। राजद के डॉक्टर संजीव ने भाजपा को नवल किशोर यादव को हराया। भाजपा ने कोशी स्नातक, दरभंगा स्नातक, तिरहुत शिक्षक सीट पर जीत हासिल की है। जनता दल को सिर्फ एक पटना स्नातक की सीट मिली है।

दरभंगा शिक्षक सीट जनसुराज के सुरेश राय ने जीती है। सारण शिक्षक और तिरहुत स्नातक सीट पर निर्दलीय जीते हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद की पांच सीटों के नतीजे आ गए थे। इनमें से दो सीटें सत्तारूढ़ गठबंधन यानी भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति ने जीती हैं और तीन सीटें विपक्ष यानी महाविकास आघाडी के खाते में गई हैं। पुणे शिक्षक सीट पर भाजपा के कौस्तुभ गावडे और अमरावती शिक्षक सीट पर एकनाथ शिंदे की शिव सेना के किरण सरनाइक जीते हैं। महाविकास अघाड़ी में दोनों सीटें शरद पवार की एनसीपी को मिली हैं। छत्रपति संभाजीनगर स्नातक सीट और पुणे स्नातक सीट उनके उम्मीदवार जीते हैं। नागपुर स्नातक सीट कांग्रेस ने जीत ली है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

खोने के डर को मन पर हावी न होने दें



कई बार छोटी-छोटी बातें भी मन को इतना परेशान कर देती हैं कि जरूरी काम करना मुश्किल हो जाता है। किसी बात के बिगड़ने का डर हो या कुछ खोने की चिंता, मन लगातार उलझा रहता है। ऐसे में श्रीमद्भगवद्गीता की सीख जीवन को देखने का नजरिया बदल सकती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए मनुष्य को सुख-दुख और लाभ-हानि में संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है। भगवान श्रीकृष्ण का सीख के अनुसार, मनुष्य की चिंता का एक बड़ा कारण किसी चीज को खोने का डर है। जब हम किसी उपलब्धि, रिश्ते या सुख-सुविधा से बहुत ज्यादा जुड़ जाते हैं, तो उसे खोने की आशंका परेशान करने लगती है। कई बार मनुष्य किसी चीज को हासिल करने के बाद भी उसके छिन जाने की चिंता में रहता है। इसलिए जीवन में जो कुछ मिला है, उसका आनंद लें, लेकिन उसे हमेशा अपने पास बनाए रखने की जिद ना करें। यही सोच मन को हल्का रखने में मदद करती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में संतुलित रहने की सीख दी है। जीवन में कभी मन के मुताबिक परिणाम मिलते हैं, तो कभी निराशा हाथ लगती है। अगर हर अच्छी बात पर जरूरत से ज्यादा खुश और हर परेशानी में टूटने लगेंगे, तो मन हमेशा बेचैन रहेगा। इसलिए सुख मिलने पर अहंकार ना करें और दुख आने पर हिम्मत ना हारें। समय के साथ परिस्थितियां बदलती रहती हैं। इस बात को समझने वाला व्यक्ति मुश्किल समय में भी धैर्य बनाए रखता है।

संकलित
दर्शन

दूसरों से सीखिए, नकल मत कीजिए



जिंदगी में हम सभी किसी ना किसी से प्रभावित होते हैं। कोई अपने माता-पिता से कुछ सीखता है, कोई शिक्षक से, तो कोई किसी सफल व्यक्ति को देखकर आगे बढ़ने की कोशिश करता है। दूसरों की अच्छी आदतों और विचारों से सीखना गलत नहीं है। परेशानी तब शुरू होती है, जब हम सीखने के बजाय उसी व्यक्ति की नकल करने लगते हैं। स्वामी विवेकानंद का एक साफ इसी बात की ओर ध्यान दिलाता है। उनका संदेश था - 'दूसरों से जो भी अच्छा है, उसे सीखो, लेकिन उसे अपनी तरह से अपनाओ, किसी और जैसे मत बनो।' इस विचार में सीखने के साथ-साथ अपनी पहचान बनाए रखने की बात भी कही गई है। हर इंसान के पास कुछ ना कुछ ऐसा जरूर होता है, जिससे हम सीख सकते हैं। किसी का अनुशासन अच्छा हो सकता है, किसी की मेहनत, किसी का धैर्य तो किसी की सोचने का तरीका हमें प्रभावित कर सकता है। विवेकानंद की सीख है कि ऐसी अच्छी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मन को खुला रखें और जहां से अच्छी बात मिले, उसे सीखने की कोशिश करें। ज्ञान किसी एक व्यक्ति या जगह तक सीमित नहीं होता है। किसी की बात अच्छी लगी, तो उसे तुरंत अपनी जिंदगी का नियम बना लेना जरूरी नहीं है। हर व्यक्ति की परिस्थितियां अलग होती हैं। जो तरीका किसी दूसरे के लिए सही है, जरूरी नहीं कि वह आपके लिए भी उसी तरह काम करे। इसलिए किसी अच्छी बात को पहले समझना चाहिए। फिर देखना चाहिए कि उसे अपनी जिंदगी और परिस्थितियों के हिसाब से कैसे अपनाया जा सकता है।

संकलित
प्रेरणा

अंतर्मन



आज की पाती

अपशिष्ट प्रबंधन के ठोस उपाय करना जरूरी

कम करें, पुनः उपयोग करना, रीसायकल करना एक ऐसा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन है, जो सामाजिक रूप से स्वीकार्य और पर्यावरण के अनुकूल है। अपशिष्ट उत्पाद आज दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। यह दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाले प्रदूषण का कारण बनता है। कम करना, पुनः उपयोग करना और रीसायकल करना भूमि, वायु और जल प्रदूषण के सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक को खत्म करने के तीन बेहतरीन तरीके हैं। कम करने का मतलब है कि अपशिष्ट की मात्रा कम हो जाती है। अपशिष्ट में कमी का सीधा मतलब है उन चीजों को कम करना जिन्हें हम उपयोग करते हैं और केवल वही उपयोग करते हैं जो आवश्यक है।

- नेहा, रोहतक

ट्रेंड

आयुष्मान वय वंदना योजना



हमारे बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन, बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है। इस दिशा में, 29 अक्टूबर 2024 को 'आयुष्मान वय वंदना योजना' की शुरुआत के आज दो साल पूरे हो गए हैं।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

टाटा को बर्बाद कर रहे



टाटा को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है, और किसी भी कारोबारी नेता में एक शब्द बोलने की हिम्मत नहीं है। आप कब तक चुप रहेंगे? क्या तब तक, जब तक वे आप पर पूरी तरह कब्जा न कर लें? भारतीय कारोबार मोदी और शाह के खिलौने नहीं है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

मतदान रोकने की साजिश



वाराणसी में मतदान को रोकने या धीमा करने के पीछे की साजिश को सब समझते हैं, लेकिन बीजेपी इसमें कामयाब नहीं होगी। वाराणसी में बीजेपी की हार राष्ट्रीय खबर न बन जाए, इसे रोकने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

अधिकार की रक्षा



1 नवंबर को 'इंडिया' रामलीला मैदान में एकजुट होकर खड़ा होगा। 'वोट चोरी' के खिलाफ यह लड़ाई, हर भारतीय के चुनने के अधिकार की रक्षा करने की लड़ाई है। बंगाल और अन्य राज्यों में हुई 'वोट लूट' पर जवाब चाहिए, खामोशी नहीं!

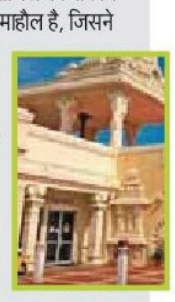
- ममता बनर्जी, पूर्व सीएम, प. बंगाल



करंट अफेयर

मंदिर पर गोलीबारी, दक्षिण एशियाई समुदाय में चिंता

शिकागो के पास एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी की साजिश को नाकाम किए जाने के बाद क्षेत्र के दक्षिण एशियाई समुदाय में डर का माहौल है, जिसने आस्था और पारिवारिक समारोहों के आमतौर पर उल्लासपूर्ण मौसम को फीका कर दिया है। अभियोजकों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में, जब 11 अक्टूबर को नवरात्र का त्योहार शुरू होने पर श्रद्धालु हिंदू मंदिरों में इकट्ठा हुए थे, तब एलेक्जेंड्रोस पापोराकिस इलिनॉय के ऑरोरा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा और पार्किंग क्षेत्र में बैठ गया, लेकिन राइफल जाम होने के कारण गोली चलाए बिना ही भाग गया। अभियोजकों ने बताया कि पापोराकिस (19) को उसी दिन शिकागो से करीब 64 किलोमीटर दूर इलिनॉय के पैलेटाइन स्थित उसके घर के पास गिरफ्तार किया गया। 'टैको बेल' के एक कर्मचारी ने अधिकारियों को उसकी भारतीय लोगों को मारने की योजना के बारे में सूचना दी थी। उस पर आतंकवादी धमकी देने और अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने के गंभीर आरोप हैं। उसे शुक्रवार को फिर अदालत में पेश होना है। दक्षिण एशियाई समुदाय को एकजुट करने वाले गैर-लाभकारी संगठन 'द शिकागो कसम' की कार्यकारी निदेशक आशा राव ने कहा कि समुदाय के लोग इस घटना से स्तब्ध और आक्रोशित हैं।



ऑफ बीट

ब्रिटिश पीएम बर्नहम आएंगे भारत, मजबूत होंगे रिश्ते

ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम भारत का दौरा करने के इच्छुक हैं और जल्द ही उनकी यात्रा हो सकती है। एक शीर्ष राजनयिक ने बृहस्पतिवारक को दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी का उल्लेख करते हुए यह जानकारी दी। भारत में कार्यवाहक ब्रिटिश उच्चायुक्त बेन मेलर ने यहां बताया कि पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान, बर्नहम ने भारत आने की अपनी इच्छा जताई थी। मेलर ने कहा, मुझे पता है कि एंडी बर्नहम भारत आने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, जब बर्नहम ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था, उसके तुरंत बाद उनकी प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत हुई थी और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सामने सीधे तौर पर यह बात रखी थी। मुझे यकीन है कि हम जल्द ही ऐसा होता हुआ देख पाएंगे। इस साल 20 जुलाई को बर्नहम को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। भारत-ब्रिटेन आर्थिक संबंधों पर, मेलर ने कहा, ''मुझे पूरा भरोसा है कि जैसे-जैसे ब्रिटेन और भारत की अर्थव्यवस्थाएं बढ़ेंगी, हम दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने के लक्ष्य को पार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौता 100 दिन पहले लागू हुआ, लेकिन असल में इस पर एक साल से कुछ समय पहले ही हस्ताक्षर किए गए थे तथा तब से अब तक 12 अरब पाउंड के नए समझौते हो चुके हैं।



खबर संक्षेप

वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन आज से



नई दिल्ली। वाराणसी और नई दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शनिवार से आम यात्रियों के लिए शुरू होगी। यह उत्तर प्रदेश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। ट्रेन रात करीब 9 बजे वाराणसी से रवाना होकर सुबह 6 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ और गाजियाबाद में इसका ठहराव होगा। ट्रेन में आरामदायक बर्थ, चार्जिंग पॉइंट सहित सीसीटीवी निगरानी जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

अनंत सिंह की जमानत रद्द कल तक सरेंडर का आदेश



नई दिल्ली। बिहार के चर्चित दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने मोकामा विधायक अनंत सिंह की जमानत रद्द कर दी है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने का आदेश दिया। पटना हाईकोर्ट ने इस मामले में अनंत सिंह को जमानत दी थी, जिसे दुलारचंद यादव के पोते नीरज कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। दुलारचंद यादव की 30 अक्टूबर 2025 को हत्या हुई थी।

एयर मार्शल इंद्रपाल वायु सेना के उप-प्रमुख



नई दिल्ली। एयर मार्शल इंद्रपाल सिंह वालिया को भारतीय वायु सेना का नया उप-प्रमुख नियुक्त किया गया है। वे रविवार से कार्यभार संभालेंगे।

राहुल ने कहा- लोगों को रोका जा रहा, ज्ञानेश पर 'जन महाभियोग' आज दोपहर

मिंटो रोड से शुरू होगा इंडिया ब्लॉक का 1 नवंबर का 'चलो दिल्ली' मार्च

सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने भी केंद्र सरकार पर राजधानी में 'मार्शल लॉ जैसी स्थिति' पैदा करने का आरोप लगाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडिया ब्लॉक का 1 नवंबर को चलो दिल्ली मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो रोड-कनॉट प्लेस जंक्शन से शुरू होकर रामलीला मैदान पहुंचेगा। मार्च वोट चोरी, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के मुद्दे पर होगा। वहीं, ज्ञानेश कुमार के जन महाभियोग (पब्लिक इम्पीचमेंट) कार्यक्रम को बारिश के कारण शनिवार सुबह तक टाल दिया गया है। अब शनिवार को इसका समय दोपहर 2:30 बजे तय किया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सत्र के दौरान यह जानकारी दी। विपक्षी गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची में अनियमितताएं हुई हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के पद से हटने की उल्टी गिनती तेज हो रही है। उन्होंने उन पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के निर्देश पर भारत के संविधान को कमजोर करने और नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने छात्र संगठनों से भी अपील की थी कि वे अपनी राजनीतिक एफीलिएशन की परवाह किए बिना इस मार्च में शामिल हों। सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने भी केंद्र सरकार पर राजधानी में 'मार्शल लॉ जैसी स्थिति' पैदा करने का आरोप लगाया है।

राहुल ने छात्र संगठनों से कहा-देश के लिए वे भी आएं



प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल सहित विपक्षी सांसद

शुक्रवार का जन महाभियोग बारिश के कारण टाला

कांग्रेस का दावा-करीब 10 लाख लोग रैली में आएंगे

रैली रोकने की साजिश : कांग्रेस

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली को रोकने के लिए कई राज्यों में कोशिशें की जा रही हैं। रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली आने वाले लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है।

क्या है 'जन महाभियोग' कार्यक्रम?

यह कार्यक्रम चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष के विरोध का हिस्सा है। 'जन महाभियोग' एक प्रतीकात्मक राजनीतिक कार्यक्रम है।

हरिनगर में जुटेंगे सिख समाज के हजारों लोग

कांग्रेस की रैली के विरोध में भाजपा निकालेगी मार्च

कांग्रेस की प्रस्तावित रैली के विरोध में दिल्ली भाजपा एक नवंबर को पश्चिमी दिल्ली के सिख बहुल क्षेत्र हरिनगर में विरोध मार्च निकालेगी। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मार्च का नेतृत्व करेंगे। इसमें सिख समाज के हजारों लोगों के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

एमएसएमई चेंबर ने गृह मंत्री शाह को सौंपा ज्ञापन

को प्रदर्शन से बचाने की मांग

- **दिल्ली का कारोबार होगा प्रभावित**

दिल्ली के प्रमुख व्यावसायिक केंद्रों में विरोध प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए चैंबर ऑफ इंडियन माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (सीआईएमएसएमई) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की है। सौंपे ज्ञापन में कहा है कि कनॉट प्लेस,रामलीला मैदान और आसपास के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में बार-बार होने वाले धरना-प्रदर्शनों से कारोबार प्रभावित होता है।

राहुल के बाद अब सोनिया गांधी को लिखा पत्र

- **10 के बाद रैली करने का आग्रह**

एक नवंबर को प्रस्तावित विपक्ष की रैली को लेकर चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने राहुल गांधी के बाद अब सोनिया गांधी को पत्र लिखा है। सीटीआई ने आशंका जताई है कि 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को रैली के चलते दिल्ली में कारोबार ठप हो सकता है। इससे राजधानी के करीब 20 लाख व्यापारियों में चिंता का माहौल है।

खरगे पर पीएम मोदी का पलटवार

मैं अपनी अंतिम सांस तक सेवा में जुटा रहूंगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की बाप वाली टिप्पणी पर प्रधानमंत्री ने जवाब दिया



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के मोदी का बाप भी जाएगा वाले विवादित बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पलटवार किया है। पीएम मोदी ने कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक भारत के लोगों की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने विपक्ष पर अफवाह फैलाने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी की यह टिप्पणी गुजरात के बनासकांठा जिले के भिलडी में 'भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर' का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए आई है।

वे मोदी को बदनाम करना चाहते थे

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें देश के मुश्किल दौर से गुजरने पर खुशी मिलती है। ईरान युद्ध के समय उन्होंने (विपक्ष) अफवाहें फैलाईं कि किसानों को खाद नहीं मिलेगी और लोगों को एलपीजी नहीं मिलेगी, क्योंकि वे मोदी को बदनाम करना चाहते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दी है और उन्हें सशक्त बनाया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच खाद की कीमतों में भारी उछाल आया, लेकिन हमारी सरकार ने इसका बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया।

9.34 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचे 2-2 हजार रुपए

दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने देश के करोड़ों किसानों को बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9.34 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 2-2 हजार रुपये की राशि भेजी गई। सरकार ने इस किस्त के लिए कुल 18,680 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए हैं।

सीधी में बस-कार की भिड़ंत

तीन की मौत, पांच साल की बच्ची गंभीर घायल



हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीधी

जिले में शुक्रवार दोपहर अमरपुर के बेहड़ा मोड़ के पास यात्री बस और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार एक महिला और दो पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चुरहट पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान मैहर जिले के देवरा निवासी अनिल तिवारी (35), मनोरमा तिवारी (30) और सुधीर तिवारी के रूप में हुई है। घायल बच्ची रानी तिवारी (5) है।



कार के परखच्चे उड़ गए, बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त

सांस लेने में परेशानी के बाद बिगड़ी तबीयत

आदि कैलाश यात्रा में इंदौर के 26 वर्षीय युवक की मौत



एजेंसी ▶▶ नैनीताल

आदि कैलाश यात्रा के दौरान शुक्रवार को इंदौर निवासी 26 वर्षीय तिलक शर्मा की मौत हो गई। यात्रा के दौरान सांस लेने में परेशानी होने पर उन्हें गुंजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। इस सीजन में अब तक तीन यात्रियों की जान जा चुकी है। एसडीएम आशीष जोशी ने बताया कि तिलक गुरुवार को अपने दोस्तों के साथ आदि कैलाश यात्रा पर आए थे।



ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक की आशंका

नाकाम रिश्तों को आपराधिक मामलों में बदलने के बढ़ते चलन पर सुको ने जताई चिंता

रिश्ता टूटने पर सहमति से बने संबंध 'रेप' नहीं

ब्रेकअप के बाद पछतावा सहमति को अपराध में नहीं बदल सकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आपसी सहमति से बने रिश्ते में शारीरिक संबंधों को केवल इस आधार पर दुष्कर्म नहीं माना जा सकता कि बाद में दोनों के बीच संबंध खराब हो गए या रिश्ता टूट गया। अदालत ने नाकाम रिश्तों को रेप और धोखाधड़ी जैसे आपराधिक मामलों में बदलने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने केरल के एक व्यक्ति को दुष्कर्म और धोखाधड़ी के आरोपों से मुक्त करते हुए।



प्रशांत भूषण ने खींची लकीर

कोर्ट की क्लिप के लिए तय हो एक आधिकारिक स्रोत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के वीडियो और ऑडियो क्लिप के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि अदालत की पूरी कार्यवाही का वीडियो सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाए।

- **बिना अनुमति ऑडियो-वीडियो क्लिप अपलोड करने वालों पर होगी कार्रवाई**

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राकेश गुप्ता आ० ताराचंद गुप्ता, उम्र लगभग 54 वर्ष निवासी उपरपारा ग्राम करजी, था०तह० दरिमा जिला-सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया गया है, कि आवेदक के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला न्यू महामाया रोड़ शीट नं. 8 स्थित नजूल भूखण्ड क्र. 2602/166 रकबा 1081 वर्गफीट भूमि है। उक्त भूमि को आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 03.12. 2019 के माध्यम से क्रय किया गया है तथा न्यायालयीन रा०प्र०क्र0 231/अ-6/2019-20 में पारित आदेश दिनांक 02.03.2020 के आधार पर आवेदक का नाम दर्ज हुआ। वर्तमान में आवेदक उक्त भूमि पर क्रय दिनांक से काबिज है। वर्तमान में उक्त भूमि के मेंटनेंस खसरा में अनावेदिका श्रीमती निधी अग्रवाल पति अजय अग्रवाल, निवासी सदर रोड़ अम्बिकापुर का नाम रा०प्र०क्र० 380/अ-6/2020-21 में पारित आदेश दिनांक 29.09.2021 के तहत दर्ज हुआ है। अतः उपरोक्त तथ्यों के आधार पर आवेदित भूमि भूखण्ड क्र. 2602/166 रकबा 1081 वर्गफीट भूमि के वर्तमान नजूल अभिलेख से वर्तमान भूधारक श्रीमती निधी अग्रवाल पति अजय अग्रवाल का नाम विलोपित कराते हुये स्वयं का नाम दर्ज किये जाने सहित अनावेदिका श्रीमती निधी अग्रवाल का नाम भूखण्ड क्र. 2602 के अंतिम बटांक प्रदान किये जाने हेतु मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 114, 115 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-20/11/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/10/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

सोनभद्र। जिला गंगा समिति सोनभद्र के तत्वावधान में जिलाधिकारी के निर्देशन एवं प्रभागीय वनाधिकारी, सोनभद्र के मार्गदर्शन में शुक्रवार, 30 अक्टूबर, 2026 को प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह- 2026 के अंतर्गत सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन करने की प्रतिज्ञा ली। इसका मुख्य उद्देश्य शासकीय कार्यप्रणाली में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा देना तथा भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर उप प्रभागीय वनाधिकारी शत्रुघ्न त्रिपाठी ने विभाग में प्राप्त होने वाली समस्त शिकायतों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं समयबद्धता के साथ करने की अपील की।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कांता देवी अग्रवाल पत्नी बलवंत राय अग्रवाल निवासी वार्ड नंबर-1 मेन रोड शिवनंदनपुर तहसील विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4557/66 रकबा 0.011 हे0 भूमि को अनावेदक अंजू गर्ग पत्नी अजय गर्ग निवासी राम मंदिर रोड, ब्रम्हपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रुपए 10,00,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 23.11.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलिस्ता तिर्की पत्नी स्व. अरुण कुमार लकडा निवासी मकान नंबर 45, तुरार्पानी, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा अपने पति स्व. अरुण कुमार लकडा जो राजस्व विभाग तहसील सन्ना में पटवारी के पद पर पदस्थ थे जिनकी मृत्यु सेवाकाल के दौरान दिनांक 24.07.2026 को हो जाने के कारण उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 20/11/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 28/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, हसमुद्दीन, निवासीः पटेलपारा, करहिया खांड, बैकुंठपुर, जिलाः कोरिया (छत्तीसगढ़), घोषित करता हूँ कि मैंने अपने 5 वर्षीय नाबालिग पुत्र का नाम 'सुफियान' से बदलकर 'समीर खान' रख लिया है। भविष्य में मेरे पुत्र को इसी नए नाम 'समीर खान' से जाना जाए।

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर जिला सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा ग्राम अंधला के आम नागरिक को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण देवी लक्ष्मी बैंवा चमरू व 02 अन्य जाति कंवर निवासी ग्राम अंधला तहसील लखनपुर जिला सरगुजा द्वारा ग्राम अंधला स्थित भूमि बसरा क्रमांक 1182 में कुल योग प्लॉट 28 कुल योग रकबा 10.123 हे. भूमि पर फौती के आधार पर आवेदकगण का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने हेतु छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिस संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपना दावा न्यायालय में व्यायादिनांक 17/11/2026 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद किसी प्रकार की दावा आपत्ति नहीं किया जावेगा। आज दिनाँक 30/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया जाता है

तहसीलदार
लखनपुर जिला सरगुजा

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./यां.) संभाग अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-6052/NIT-13/2026-2027व.ले.लि. **दिनांक: 29/10/2026**

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 10/11/2026 अपरान्ह 8.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि- 18/11/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि - 19/11/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

कार्यों हेतु :-

निविदा प्रपत्र-A का मूल्य - 750.00 रुपए, निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द' से 'अ' तक तथा कार्य की अवधि T0097 से T0100 एवं T0104 से T0106 एवं T0109 से T0112 हेतु दिनांक 31.10.2027 तक एवं अन्य हेतु दिनांक 31.03.2027 वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र.13 निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) - अमानत राशि(रू.मे) - बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0097	कोरिया जिले के अंतर्गत डुमरबहरा से पूर्व माध्यमिक शाला भण्डारपारा तक पहुँच मार्ग में पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	3.40 - 3400.00 -51000.00
T0098	कोरिया जिले के अंतर्गत दुधनियाकला में दिनेश किराना से संतोषी मंदिर थाड़पाथर देव स्थल तक पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	4.86 -4860.00 -72900.00
T0099	कोरिया जिले के अंतर्गत बिशुनपुर से बनखेता पारा तक मार्ग में पोल शिफ्टिंग का कार्य (बजट कार्य)	0.98 - 2000.00 -14700.00
T0100	जिला कोरिया के विकासखंड बैकुंठपुर अंतर्गत फायर स्टेशन भवन में विधुतीकरण का कार्य (बजट कार्य)	8.62 - 6465.00 -129300.00
T0101	जिला कोरिया के विकासखंड बैकुंठपुर अंतर्गत जिला न्यायालय भवन के शौचालय में विधुतीकरण का कार्य //बजट कार्य//	0.62 - 2000.00 - 9300.00
T0102	जिला जेल बैकुंठपुर के बैरक में एंटी सुसाईडल फेन लगाने का कार्य //जमा कार्य//	0.24 - 2000.00 -3600.00
T0103	न्यायालय कैंपस रामानुजगंज में अतिरिक्त कक्ष का विधुतीकरण कार्य। //बजट कार्य//	0.80 - 2000.00 -12000.00
T0104	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत जनजातीय गौरव समाज भवन, ग्राम पंचायत पोड़ी डीह, जनपद पंचायत खड़गवां का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	5.80 - 5000.00 - 87000.00
T0105	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत बाल कल्याण समिति भवन मनेन्द्रगढ़ का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	0.67 - 2000.00 -10050.00
T0106	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत किशोर न्याय बोर्ड भवन मनेन्द्रगढ़ का विधुतीकरण कार्य । //सिविल जमा कार्य//	0.67 - 2000.00 -10050.00
T0107	जिला एम.सी.बी. अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ स्थित Treasury Office हेतु आंतरिक विधुतीकरण कार्य के साथ LAN कार्य । //जमा कार्य//	0.95 - 2000.00 -14250.00
T0108	जिला एम.सी.बी. के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र परसगढ़ी में अस्थाई पुलिस प्रसिक्षण केंद्र के आंतरिक विधुतीकरण कार्य । //जमा कार्य //	2.50 - 2500.00 -37500.00
T0109	सरगुजा जिले के अंतर्गत उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला में विधुतीकरण का कार्य। //सिविल जमा कार्य//	7.37 - 5528.00 -110550.00
T0110	सरगुजा जिले के अंतर्गत पटवारी प्रशिक्षण शाळा भवन में विधुतीकरण कार्य। //सिविल जमा कार्य//	3.71 - 3710.00 -55650.00
T0111	सरगुजा जिले के अंतर्गत विकासखंड अंबिकापुर के ग्राम सकालो में हाई स्कूल भवन में विधुतीकरण का कार्य। //सिविल जमा कार्य//	2.10 -2100.00 -31500.00
T0112	जिला सरगुजा के ब्लाक सीतापुर अंतर्गत शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में 06 नग अतिरिक्त कक्ष में विधुतीकरण का कार्य (बजट कार्य)	9.99 - 7493.00 -149850.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित सभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि./या.) संभाग
अम्बिकापुर सरगुजा (छ०ग०)

जी 262704302/2

किसानों के हित में फैसलों से मजबूत हो रही छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था

तीन वर्षों में 437 लाख एमटी धान खरीदी, किसानों को 1.40 लाख करोड़ का भुगतान, 15 नवंबर से फिर शुरू होगा महाअभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पहचान देश के धान के कटोरे के रूप में है। यहां की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण जीवन का आधार कृषि और किसान हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बीते तीन वर्षों में किसानों की समृद्धि को विकास का आधार मानते हुए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं, जिनका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है।बीते तीन वर्षों में लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान इसका



सबसे बड़ा प्रमाण है।

तीन साल में धान खरीदी का रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 144.92 लाख मीट्रिक टन, 2024-25 में 149.25 लाख मीट्रिक टन और 2025-26 में लगभग 142 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। तीन सीजन में कुल 437 लाख मीट्रिक टन धान खरीदकर किसानों को 1.40 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

इस साल 15 नवंबर से धान खरीदी, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर

राज्य सरकार ने मंत्रिपरिषद में निर्णय लिया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से, जनजातीय गौरव दिवस से धान खरीदी का महाअभियान शुरू होगा। इस वर्ष 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा। किसानों की सुविधा के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पुराने पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन से छूट दी गई है और उन्हें ऋण पुस्तिका लाने की भी जरूरत नहीं होगी। पारदर्शिता के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे से रकबे का निर्धारण और बायोमेट्रिक आधारित खरीदी की जाएगी। इस बार 360 नए केंद्रों के साथ कुल 3100 केंद्रों पर धान खरीदी होगी।

कृषक उन्नति योजना से 35,904 करोड़ का भुगतान

किसानों को आर्थिक संबल देने के लिए कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से 2025 तक 25.52 लाख किसानों को 35,904.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। धान के बदले दूसरी लाभकारी फसल लेने पर प्रोत्साहन राशि 11 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की गई है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के किसानों को अब तक 12,267.39 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है।

आधुनिक खेती और सिंचाई पर जोर

वर्ष 2024-25 से अब तक 8,567 कृषि यंत्र और 678 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित। पीएम कृषि सिंचाई योजना के तहत 46,615 हेक्टेयर में ड्रिप-स्प्रिंकलर, 201.07 करोड़ का अनुदान। एग्रीस्टैक में 19,751 गांवों की जियो-रेफरेंसिंग और 43 लाख से अधिक किसानों का पंजीयन। दलहन-तिलहन को बढ़ावा: 29 जिलों के 273 केंद्रों से अरहर, सोयाबीन, चना, मसूर, सरसों की खरीदी, 219.08 करोड़ का भुगतान।

फसल सुरक्षा और खाद की उपलब्धता

पीएम फसल बीमा योजना के तहत खरीफ एवं रबी 2025-26 में 16.70 लाख से अधिक किसानों ने बीमा कराया, 1.40 लाख किसानों को 292.43 करोड़ का दावा भुगतान। खरीफ 2026 में 15.55 लाख एमटी उर्वरक के लक्ष्य के विरुद्ध 18.02 लाख एमटी से अधिक भंडारण किया गया, साथ ही कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई भी हुई। लगभग 40 लाख कृषक परिवारों और 82% लघु-सीमांत किसानों वाले छत्तीसगढ़ में कृषि का विकास ही ग्रामीण समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में धान खरीदी, आर्थिक सहायता, आधुनिक तकनीक और फसल विविधीकरण से अन्नदाता को सशक्त बनाया जा रहा है। यही विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की असली नींव है।

सीएम ने सरदार पटेल जयंती पर किया नमन, बोले - भारत की एकता और अखंडता के महान शिल्पकार थे लौह पुरुष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज यहाँ सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री साय ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय एकता और अखंडता के महान शिल्पकार थे। उन्होंने अपने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति



और कुशल नेतृत्व से स्वतंत्रता के बाद देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक सशक्त और अखंड भारत की नींव रखी। राष्ट्र निर्माण में उनका यह असाधारण योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और देश की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका व्यक्तित्व हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, सामूहिक प्रयास और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण से बड़ी से बड़ी चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। आज देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। सरदार पटेल के विचार और आदर्श इस राष्ट्रीय संकल्प को और अधिक सशक्त बनाते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल सरदार पटेल के महान योगदान को स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को अक्षुण्ण बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का भी दिन है। भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों को एकता के सूत्र में पिरोकर आगे बढ़ना ही सरदार पटेल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री साय ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर एक सशक्त, समरस और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए, ताकि विकसित भारत के निर्माण में हमारा प्रदेश अग्रणी भूमिका निभा सके।

कलेक्टोरेट परिसर में चौकीदार का शव मिलने से मचा हड़कंप, 20 लाख से अधिक कर्ज की बात आई सामने



छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट परिसर में शनिवार सुबह एक कर्मचारी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान दिनेश कुमार पटेल (50) के रूप में हुई है, जो कलेक्टोरेट में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह कलेक्टोरेट पहुंचे लोगों ने परिसर की सीढ़ियों के पास शव देखा। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

20 लाख से अधिक कर्ज की जानकारी

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि मृतक पर 20 लाख रुपये से अधिक का कर्ज था और वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

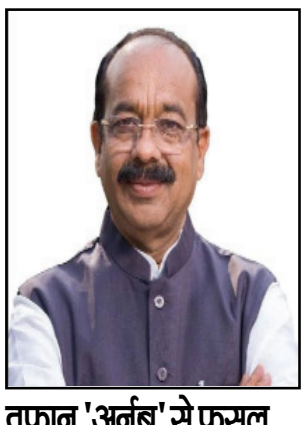
पुलिस कर रही सभी पहलुओं से जांच

सिविल लाइन थाना प्रभारी यामन देवांगन ने बताया कि मृतक की पहचान दिनेश कुमार पटेल, पिता प्रभु राम पटेल, निवासी श्री साईं नगर, बोरियाखुर्द, आरडीए कॉलोनी, थाना टिकरापारा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में कर्ज और लोन की बात सामने आई है।पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

डिप्टी सीएम साव ने पटवारियों से हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने की अपील की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पीवी ऐप के विरोध में पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बड़ी अपील की है। उन्होंने पटवारियों से हड़ताल खत्म कर काम पर लौटने को कहा है। डिप्टी सीएम साव ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में मांगों को लेकर आंदोलन करना अधिकार है, लेकिन कर्मचारियों की पहली जिम्मेदारी जनता की सेवा करना है। सरकार पटवारियों की मांगों पर विचार करेगी, इसलिए उन्हें जनहित को देखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।



तूफान 'अर्नब' से फसल नुकसान का होगा सर्वे

चक्रवाती तूफान अर्नब से फसलों को हुए नुकसान पर उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए सरकार सर्वे करा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत नुकसान की जानकारी देने वाले किसानों के खेतों का सर्वे कराया जाएगा। सरकार किसानों के नुकसान को लेकर गंभीर है।

कांग्रेस के दिल्ली प्रदर्शन पर निशाना

1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के प्रस्तावित प्रदर्शन पर साव ने कहा कि कांग्रेस के पास जनहित से जुड़े मुद्दे नहीं हैं। वह ऐसे विषयों पर आंदोलन कर रही है जिनका आम जनता से सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राज्योत्सव चल रहा है, लेकिन कांग्रेस नेता प्रदेश में रहने के बजाय दिल्ली में प्रदर्शन करने जा रहे हैं। जनता सब देख रही है।

छत्तीसगढ़ महतारी पर कांग्रेस को जवाब

राज्योत्सव में छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर न होने पर कांग्रेस के सवालों पर साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी के प्रति सरकार में सम्मान और श्रद्धा है, इसके लिए कांग्रेस से प्रमाण लेने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस महतारी और छत्तीसगढ़ियावाद के नाम पर सिर्फ राजनीति करती है।

ट्रेलर की चपेट में आने से बुजुर्ग कारोबारी की मौत, जर्जर सड़क पर फिसली स्कूटी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सीतापुर। सरगुजा जिले के सीतापुर में शुक्रवार शाम भीषण सड़क हादसे में एक बुजुर्ग कारोबारी की जान चली गई। नेशनल हाईवे-43 अंबिकापुर-रायगढ़ मार्ग पर सेंट्रल बैंक के पास हुए हादसे में स्कूटी सवार त्रिलोक चंद गोयल (70) की मौके पर ही मौत हो गई।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार त्रिलोक चंद गोयल अपनी स्कूटी से कहीं जा रहे थे। सेंट्रल बैंक के पास सड़क पर उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर फिसल गई और



वे सड़क पर गिर पड़े। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। ट्रेलर के पहिए के नीचे आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक त्रिलोक चंद गोयल सीतापुर के जाने-माने कारोबारी थे। वे निहारिका स्टोर्स नाम से थोक किराना दुकान का संचालन करते थे। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद करीब आधे घंटे तक शव सड़क पर ही पड़ा रहा। मौके पर एम्बुलेंस नहीं पहुंची। ऐसे में पुलिसकर्मियों ने स्ट्रेचर की मदद से शव को करीब 100 मीटर दूर तक पहुंचाया और फिर ऑटो के जरिए अस्पताल ले जाया गया।

जर्जर सड़क को लेकर लोगों में आक्रोश

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि घटनास्थल के आसपास की सड़क बेहद जर्जर है। बारिश के कारण सड़क पर गड्ढे और फिसलन और बढ़ गई है, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है। गौर करने वाली बात है कि इस सड़क के निर्माण कार्य का भूमिपूजन हादसे से ठीक एक दिन पहले ही किया गया था। फिलहाल सीतापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ट्रेलर चालक की तलाश की जा रही है।

उद्योग मंत्री ने 91.21 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

एसबीएस कॉलोनी और गायत्री नगर में बनेंगी सड़क-नाली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। नगर विधायक एवं प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और महापौर संजू देवी राजपूत ने शुक्रवार को नगर निगम कोरबा के पंडित रविशंकर सागर नगर जोन के एसबीएस कॉलोनी और गायत्री नगर में 91.21 लाख रुपये के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों के पूरा होने से क्षेत्र में सड़क, नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं मजबूत होंगी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वार्ड स्तर तक हो रहे काम - मंत्री देवांगन

भूमिपूजन कार्यक्रम में मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बड़ी परियोजनाओं के साथ-साथ वार्डों और मोहल्लों की छोटी-बड़ी जरूरतों को भी प्राथमिकता दे रही है। जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को स्वीकृति देकर जमीन पर उतारा जा रहा



है। आंतरिक सड़कों और नालियों के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और जलभराव से राहत मिलेगी। महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि मंत्री देवांगन के प्रयासों से राज्य शासन के विभिन्न मदों और डीएमएफ से कोरबा के सभी 67 वार्डों में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं।

इन 6 कार्यों का हुआ भूमिपूजन

कुल 91.21 लाख की लागत से ये कार्य होंगे। वार्ड 27, महाराणा प्रताप नगर में शिव मंदिर के सामने - 8.45 लाख से सीसी रोड , वार्ड 28 में 'अपना घर' सामुदायिक भवन के पीछे - 7.80 लाख से नाली व पेवर ब्लॉक, वार्ड 28 में कैरियर पब्लिक स्कूल के पास - 16.50 लाख से सड़क निर्माण , वार्ड 30, गायत्री नगर में उमा के घर से जीवन यादव तक और लाल के घर से संतोषी साहू तक - 23.46 लाख से नाली निर्माण , वार्ड 28, कुआंभट्ठा बस्ती में मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के पास - 15 लाख से नाली , वार्ड 29 में संतोषी कुटी सहित अन्य स्थानों पर कांक्रीटीकरण, सीसी रोड व नाली कवर - 20 लाख से।

आज फिर 1.73 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन

शनिवार को भी विकास कार्यों का क्रम जारी रहेगा। पंडित रविशंकर शुक्ल नगर जोन में विजय अपार्टमेंट के पास दोपहर 3 बजे 75.20 लाख और कोसाबाड़ी जोन के दादर चौक सामुदायिक भवन के पास शाम 4 बजे 98.15 लाख रुपये, कुल 1.73 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन मंत्री देवांगन के हाथों होगा। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य नरेंद्र देवांगन, पार्षद धनकुमारी गर्ग, वर्षा वैष्णव, सिमरन कौर, मुकुंद कंवर, नारायण कुर्रे, एल्डरमैन वैशाली रत्नपारखी, राजेश राठौर, प्रफुल्ल तिवारी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

रिश्वत मांगने के आरोप में हड़कंप, एसपी ने चौकी प्रभारी समेत दो पुलिसकर्मियों को किया लाइन अटैच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में पुलिस पर रिश्वत मांगने के आरोप के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हल्बा चौकी प्रभारी दीपा केंवट और एएसआई चेतन साहू को लाइन अटैच कर दिया है। शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में चर्चा तेज है।

पीएम आवास के लिए रेत निकालने पर पैसे मांगने का आरोप

पूरा मामला प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार कुछ हितग्राही पीएम



आवास निर्माण के लिए नदी से रेत निकाल रहे थे। इसी दौरान हल्बा चौकी पुलिस ने कार्रवाई की बात कही। आरोप है कि इसी मामले में जनपद सदस्य से चौकी प्रभारी दीपा केंवट और एएसआई चेतन साहू ने कथित रूप से पैसों की मांग की। जनप्रतिनिधियों ने इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की और कड़ा विरोध जताया।

एसपी ने 24 घंटे में की कार्रवाई

शिकायत सीधे एसपी निखिल राखेचा तक पहुंची। आरोपों को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल फील्ड ड्यूटी से हटाकर पुलिस लाइन अटैच करने के निर्देश दिए। फिलहाल पुलिस विभाग मामले की जांच कर रहा है। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि नदी से रेत निकालने के मामले में वास्तविक स्थिति क्या थी और क्या वास्तव में रिश्वत मांगी गई थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की विभागीय कार्रवाई तय होगी।

पहाड़ी आंचल में दो साल से खराब 46 लाख का सोलर पंप, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

क्रेडा और पीएचई विभाग की उदासीनता से बढ़ी परेशानी, पानी के लिए भटकने को मजबूर पंडो एवं गोंड जनजाति के परिवार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करीब 46 लाख रुपये की लागत से स्थापित सोलर ड्यूल पंप पिछले दो वर्षों से खराब पड़ा है। इसके चलते आदिवासी परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। बैजनपाठ गांव दूरस्थ पहाड़ी और वनांचल क्षेत्र में स्थित है, जहां पेयजल की उपलब्धता हमेशा चुनौती बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार, पहले पानी की गंभीर समस्या के चलते उन्हें मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र से पानी लाना पड़ता था। लगातार जनसमस्याओं और मीडिया में खबरें प्रकाशित होने के बाद गांव में लाखों रुपये खर्च कर सोलर ड्यूल पंप स्थापित कराया गया था। इससे ग्रामीणों को राहत मिली थी, लेकिन पंप खराब होने के बाद एक बार फिर पुराने हालात बन गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सोलर पंप लंबे समय से खराब पड़ा है। क्रेडा विभाग और पीएचई विभाग के अधिकारियों को कई बार इसकी जानकारी दी गई, लेकिन अब तक मरम्मत की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। विभागीय अधिकारियों को मौखिक सहित विभिन्न माध्यमों से शिकायत करने के बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। गांव के राधेश्याम साकेत ने बताया कि सोलर पंप खराब होने की जानकारी कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को दी गई है। इसके बावजूद आज तक पंप को चालू नहीं कराया गया। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई पेयजल व्यवस्था बंद पड़ी है और ग्रामीण पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।



पंडो और गोंड जनजाति के परिवारों की बढ़ी परेशानी

बैजनपाठ में विशेष रूप से पंडो एवं गोंड जनजाति के परिवार निवास करते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर इन परिवारों के सामने पेयजल संकट गंभीर समस्या बन गया है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के जलस्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण पानी के वैकल्पिक स्रोत भी सीमित हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल की समस्या से उन्हें लगातार जूझना पड़ रहा है। सरकार आदिवासी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे करती है, लेकिन बैजनपाठ में लाखों रुपये की लागत से बनी पेयजल व्यवस्था का लंबे समय से बंद रहना इन दावों पर सवाल खड़ा कर रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि सोलर ड्यूल पंप खराब होने और पेयजल संकट को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत की गई है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। अब ग्रामीणों में विभागीय उदासीनता को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से मामले को गंभीरता से लेते हुए खराब पड़े सोलर ड्यूल पंप की जांच कराने और तत्काल मरम्मत कराकर पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी परिवारों की परेशानी और बढ़ सकती है।

महुली पीएम श्री स्कूल में बच्चो को नहीं मिल मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महूली स्थित पीएम श्री प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में बच्चों को मध्यान्ह भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार नहीं मिलने का मामला सामने आया है। शासन की योजना के तहत बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए दाल, चावल, सब्जी सहित निर्धारित खाद्य सामग्री देने का प्रावधान है, लेकिन स्कूल में मीनू के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। मध्यान्ह भोजन योजना का उद्देश्य स्कूली बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ उनकी उपस्थिति और पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाना है। इसके लिए शासन द्वारा प्रतिदिन भोजन का मीनू निर्धारित किया गया है। बावजूद इसके महूली स्कूल में आज ग्रामीणों द्वारा दौरा किया गया तो चावल, दाल, सब्ज़ी दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है की अधिकतर आलू की सब्ज़ी ही बच्चो को परोसी जाती है जिससे बच्चों की पोस्टिक पर प्रभाव पड़ रहा है। पीएम श्री स्कूल के प्रधान पाठक भागीरथी सिंह ने बताया कि मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाले समूह को कई बार मीनू के आधार पर भोजन तैयार करने के लिए कहा गया है। इसके बावजूद समूह द्वारा निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरती जा रही है। प्रधान पाठक के अनुसार, समूह को बार-बार समझाइश देने के बाद भी व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। स्कूल में मध्यान्ह भोजन के निर्धारित मीनू का पालन नहीं होने से बच्चों को मिलने वाले पौष्टिक आहार पर सवाल उठ रहे हैं। अब संबंधित विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि मामले की जांच कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता और मीनू का नियमित पालन सुनिश्चित कराएं। स्थानीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि स्कूलों में बच्चों को शासन के निर्देशानुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले समूहों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर से जाँच व जिम्मेदारों पर कार्रवाई की माँग की है।



प्रधान पाठक की समझाइश भी बेअसर

पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव के जन्मदिवस पर जिला अस्पताल में लगा रक्तदान शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव के जन्मदिवस पर शनिवार को यहां जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के नेतृत्व में 19 यूनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के साथ-साथ आम नागरिकों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि रक्तदान केवल एक सामाजिक गतिविधि नहीं बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन एवं प्रसव जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को रक्त की आवश्यकता होती है ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदाताओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है रक्त की उपलब्धता कई बार किसी मरीज के जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित होती है। आयोजन के माध्यम से युवाओं एवं आम नागरिकों से अपील की गई कि वे रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों से दूर रहें और स्वस्थ होने की स्थिति में नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आएं रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है बल्कि समाज में सहयोग,संवेदना और मानवता की भावना भी मजबूत होती है। श्री सिंहदेव के जन्मदिवस पर आयोजित इस रक्तदान शिविर ने मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। आयोजन के माध्यम से यह प्रेरणा दी गई कि जन्मदिवस जैसे विशेष अवसरों को समाजहित और जनकल्याण के कार्यों से जोड़कर मनाया जाना चाहिए।



इस दौरान पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, पूर्व जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, अनुपम फिलिप, कृष्ण कुमार सिंह, प्रेमजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अविनाश यादव, दीपक कर, हिमाचल राजवाड़े, अखिलेश ठाकुर, सूरज अवस्थी, सैयद आमिल, शिवम साहू, मनुप्रताप सिंह, मुस्तफा, सोनू राजवाड़े, अदनान सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पारंपरिक व्यंजनों को प्रोत्साहित करने राज्योत्सव में सजेगी व्यंजनों की बगिया, 2 नवंबर को होगी पाक कला प्रतियोगिता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्योत्सव पर पारंपरिक व्यंजनों को प्रोत्साहित करने के साथ ही पाक कला में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 2 नवंबर को दोपहर एक बजे से स्टेडियम ग्राउंड, में पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में गृहिणियां, स्व-सहायता समूहों की महिलाएं, होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालक सहित खाना बनाने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति भाग ले सकता है। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा तैयार व्यंजनों का मूल्यांकन स्वाद, पारंपरिकता, सामग्री के उपयोग, प्रस्तुतीकरण, स्वच्छता एवं व्यंजन संबंधी जानकारी के आधार पर किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 31 सौ, द्वितीय 21सौ एवं तृतीय 11सौ रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही तीन अन्य प्रतिभागियों को 5-5 सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रतियोगिता के लिए प्रशासन की ओर से टेंट में स्थान एवं टेबल उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतिभागियों को बर्तन, मसाले, सब्जियां, गैस, चूल्हा एवं अन्य आवश्यक सामग्री स्वयं लानी होगी। होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबा संचालक अपने स्टॉल पर प्रचार-प्रसार के लिए बैनर एवं पोस्टर भी लगा सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सौ रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसे आयोजन स्थल स्टेडियम ग्राउंड पहुंचने पर जमा करना होगा। शुल्क जमा करने के पश्चात प्रतिभागियों को रसीद प्रदान की जाएगी। प्रतिभागी गूगल लिंक के माध्यम से अपना फॉर्म भर सकते है। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के संबंध में अधिक जानकारी के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के मोबाइल नंबर 8085148088 तथा एनआरएलएम कार्यालय के मोबाइल नंबर 9131876837 पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने पाक कला में रुचि रखने वाले नागरिकों से प्रतियोगिता में सहभागिता करने की अपील की है।

दुल्ही तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटाने एवं शिव वाटिका में व्यवस्थाएं विकसित करने के निर्देश, कलेक्टर एवं डीएफओ ने किया शहर के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर के सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक स्थलों के बेहतर रखरखाव एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं वनमंडलाधिकारी विपुल अग्रवाल ने शनिवार को जिला मुख्यालय के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने शिव वन वाटिका पहुंचकर वहां उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने ट्री हाउस, बच्चों के लिए प्ले एरिया विकसित करने तथा स्व-सहायता समूह के माध्यम से कैंटीन संचालन की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने वाटिका को आकर्षक एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। तत पश्चात कलेक्टर ने शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय खेल मैदान परिसर पहुंचकर खेल सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान खिलाड़ियों ने आवश्यक सुविधाओं से संबंधित समस्याएं कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्रीमती जमील ने खिलाड़ियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शौचालय, चेंजिंग रूम एवं वॉशरूम जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जायेगा।



निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गढ़कलेवा के संचालन की जानकारी लेते हुए इसे बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने निर्देशित किया इस दौरान जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, नगरपालिका उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर एवं वनमंडलाधिकारी ने दुलही तालाब का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने तालाब परिसर में साफ सफाई सुनिश्चित करने तथा अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने संबंधित अधिकारियों को शहर के सार्वजनिक स्थलों का बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करते हुए नागरिकों के लिए सुविधाजनक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही कृष्ण कुंज के व्यवस्थित रखरखाव, साफ-सफाई एवं संरक्षण को लेकर भी चर्चा की।

जिला स्तरीय विज्ञान मेला में प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों ने समझा विज्ञान का सिद्धांत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा प्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक सिद्धांतों की व्यावहारिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से सेवा कुंज में जिला स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। विज्ञान मेला में विकासखंड से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को समझा। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें वैज्ञानिक सोच विकसित करने और नई चीजों को सीखने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में जिले के सभी विद्यालयों से विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं रसायन विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षक तथा प्रत्येक विद्यालय से चयनित विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कार्यशाला में 758 शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

दो सत्रों में आयोजित हुई कार्यशाला

कार्यशाला दो सत्रों में आयोजित की गयी जहां दोनों सत्रों में ब्लॉक स्तरीय मेंटर्स ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रयोगशाला सामग्री से कक्षा में प्रयोग करने की विधियां बताई। संयुक्त कलेक्टर प्रशान्त कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित विज्ञान मेला में विद्यार्थियों को भौतिकी एवं रसायन विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रयोग कराया गया। इस दौरान हैंड्स ऑन एक्टिविटी के माध्यम से विद्यार्थियों ने स्वयं प्रयोग कर वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझने का प्रयास किया। प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान की अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने का अवसर मिला।



प्रायोगिक गतिविधियों से विकसित होती है वैज्ञानिक सोच-कलेक्टर

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि विज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय प्रयोगों के माध्यम से समझना आवश्यक है। प्रायोगिक गतिविधियों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित होती है और विषयों की समझ अधिक स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों में पढ़ी गई बातों को जब विद्यार्थी स्वयं प्रयोग करके देखते और समझते हैं, तो वह ज्ञान लंबे समय तक उनकी स्मृति में बना रहता है। शिक्षकों के मार्गदर्शन में किया गया प्रयोग विद्यार्थियों की जिज्ञासा बढ़ाने के साथ-साथ उनमें तर्कशीलता, विश्लेषण क्षमता और समस्या समाधान की दक्षता विकसित करने में भी सहायक होता है।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने विद्यार्थियों को घर पर भी सुरक्षित एवं सरल वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रायोगिक गतिविधियों से जोड़ने विकासखंड स्तर पर भी इस प्रकार का आयोजन किया जाएगा। विज्ञान मेले के दौरान विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से उन्हें विज्ञान के सिद्धांतों को सरल एवं रोचक तरीके से समझने का अवसर मिला। स्वयं प्रयोग करने से विषयों के प्रति उनकी जिज्ञासा बढ़ी और नई जानकारियां प्राप्त हुईं। विद्यार्थियों ने प्रयोगों की प्रक्रिया और उनसे प्राप्त सीख के बारे में भी जानकारी दी। शिक्षकों ने भी अपना अनुभव साझा करते हुए प्रायोगिक गतिविधियों को विज्ञान शिक्षण का प्रभावी माध्यम बताया। इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। उन्होंने अपना हेल्प क्यूआर की उपयोगिता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आपातकालीन परिस्थितियों में यह क्यूआर कोड त्वरित सहायता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को इसकी उपयोगिता के प्रति जागरूक रहने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर यशवंत देवांगन, डीएमसी मनोज साहू, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यालयीन विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि- 29.10.2026
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग स.क्र. 1 पत्थलगांव, स.क्र. 2 जशपुर एवं स.क्र. 3 मनेन्द्रगढ़ संभाग
03. स.क्र. –1,3 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार एवं स.क्र. 2 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि 09.11.2026

सरल क्र.	एनआईटी क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	186	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्र. 1 पत्थलगांव के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यूएमएम, इमलशन, बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	25.00
2	187	छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (CGIT) जशपुर हेतु भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित। (तृतीय आमंत्रण)	119.02
3	188	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग जनकपुर के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गों में बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	67.84

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-262704304/1

राज्योत्सव की पावन बेला पर जिला प्रशासन का आमंत्रण, रंगारंग सांस्कृतिक संध्या में शामिल होने की अपील

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर आधारित छत्तीसगढ़ राज्योत्सव की पावन बेला पर जिला प्रशासन बलरामपुर-रामानुजगंज ने समस्त जिलेवासियों को सादर आमंत्रित किया है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे परिवार सहित राज्योत्सव स्थल पहुँचकर उत्सव का हिस्सा बनें और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लें। 02 नवंबर, सोमवार को 02 बजे से हाई स्कूल मैदान, बलरामपुर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम दिवस पर प्रदेश और देश के ख्याति प्राप्त कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। कसडोल का लोक मंथन दल जनजातीय नृत्य के माध्यम से वनांचल की समृद्ध परंपरा को मंच पर जीवंत करेगा। बिलासपुर की वाईब्रेशन डांस एकेडमी के कलाकार पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देंगे। संगीत प्रेमियों के लिए बनारस का अक्षत कलेक्टिव उप-शास्त्रीय एवं सुगम गायन से सुरों की महफिल सजाएगा।

जिले के स्थानीय कलाकार भी 15 प्रस्तुतियों से मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेरेंगे। इनमें जिले के विभिन्न विद्यालयों और छात्रावासों के विद्यार्थी छत्तीसगढ़ी स्वागत नृत्य, सुवा नृत्य, छत्तीसगढ़ी रिमिक्स, शिव तांडव, कान्हा नृत्य, सूफी डांस तथा घूमर, हरियाणवी, अरुणाचली और नेपाली लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। भेलवाडीह के पहाड़ी कोरवा कलाकारों का उड़िया लोक नृत्य और नारी सशक्तिकरण पर आधारित प्रस्तुति भी विशेष आकर्षण रहेगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्योत्सव 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम पर मनाया जा रहा है। यह थीम प्रदेश की प्रगति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने के संकल्प को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव प्रदेश की अस्मिता, संस्कृति और विकास यात्रा का उत्सव है, जिसकी सार्थकता जनभागीदारी से ही पूरी होती है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे सपरिवार अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर इस उत्सव में सहभागिता प्रस्तुत करें और स्थानीय प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाएँ। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि 'अतुल्य बलरामपुर-रामानुजगंज' की भावना के अनुरूप यह आयोजन जिले की प्रकृति, संस्कृति और विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर है। उन्होंने जिलेवासियों, युवाओं और कला प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर